▪ भाद्रपद शुक्ल - 2 ▪ संवत 2080 ▪ वर्ष - 19 ▪ अंक - 56 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- बेंगलूरु » रविवार » 17-09-2023 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 नाम बदलने से विपक्षी गठबंधन की मंशा नहीं बदल सकती : प्रमोद सावंत

6 ब्रह्मांड के पहले इंजीनियर थे भगवान विश्वकर्मा

7 विक्की कौशल से बेहतर एक्शन कोई नहीं कर सकता : अनुराग कश्यप

फर्स्ट टेक

एक साथ चुनाव कराने पर समिति की पहली बैठक 23 सितंबर को होगी : कोविंद

भुवनेश्वर/भाषा। देश में एक साथ चुनाव कराने पर गौर करने और सिफारिशें करने के लिए उच्च स्तरीय समिति के प्रमुख पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने कहा कि समिति की पहली बैठक 23 सितंबर को होगी। सरकार ने दो सितंबर को लोकसभा, राज्य विधानसभाओं, नगर पालिकाओं और पंचायतों के एक साथ चुनाव कराने की संभावना पर गौर करने और सिफारिश करने के लिए आठ सदस्यीय समिति को अधिसूचित किया था। कोविंद ने शनिवार को यहां संवाददाताओं से कहा, पहली बैठक 23 सितंबर को होगी। वह एक निजी विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में भाग लेने के लिए भुवनेश्वर में थे।

फ्रांसीसी मंत्रालय, स्वीडिश दूतावास पर अलकायदा ने हमला करने की दी धमकी

पेरिस/वार्ता। फ्रांस में मंत्रालय और स्वीडिश दूतावास पर प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन अल-कायदा आतंकवादी समूह के सदस्यों ने हमला करने की धमकी दी है। ले फिगारो ने शुक्रवार को समूह के बयान के हवाले से यह जानकारी दी। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, अरब प्रायद्वीप में अल-कायदा (एक्यूएपी) ने अपनी पत्रिका सदा अल-मलाहिम के नवीनतम अंक में दूतावास पर हमला करने की योजनाओं के बारे में बताया। इसमें आतंकवादी समूह ने स्वीडन में हाल ही में कुरान जलाने की घटना का जिक्र किया। अखबार ने कहा कि एक्यूएपी ने 2015 में पेरिस में चार्ली हेब्दो व्यंग्य अखबार पर हुए आतंकवादी हमले की जिम्मेदारी ली थी।

लीबिया बाढ़: दो बांधों के टूटने की जांच शुरू

डर्ना (लीबिया)/एपी। लीबिया के अधिकारियों ने उन दो बांधों के टूटने की जांच शुरू कर दी है, जिसके बाद तटीय शहर में बाढ़ आ गई थी। बचाव दल का अभियान शनिवार को भी जारी रहा। लगभग एक सप्ताह पहले आई बाढ़ के कारण 11 हजार से अधिक लोगों की मौत हो गई। भूमध्यसागरीय तूफान 'डेनियल' के कारण हुई भारी बारिश के कारण पिछले सप्ताहांत पूर्वी लीबिया में बाढ़ आ गई थी। बाढ़ के कारण दो बांध टूट गए थे। 'लीबियाई रेड क्रिसेंट' के अनुसार 10 हजार से अधिक लोग लापता हैं। राहत एवं बचावकर्मी लापता लोगों की तलाश कर रहे हैं। 'रेड क्रिसेंट' ने अब तक 11,300 लोगों की मौत की पुष्टि की है।

सूर्यास्त 17-09-2023 6:19 बजे	सूर्योदय 18-09-2023 6:08 बजे
BSE 67,838.63 (+319.63)	NSE 20,192.35 (+89.25)
सोना 6,161 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	चांदी 73,000 रु. प्रति किलो

'गौरवशाली विरासत को पहचानने की आवश्यकता'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/वार्ता। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने भारत की पांच हजार वर्षों से अधिक पुरानी गौरवशाली सांस्कृतिक विरासत को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर जोर देते हुए शनिवार को कहा कि कलाकारों का पोषण और समर्थन किया जाना चाहिए।

धनखड़ ने यहां संगीत नाटक अकादमी के पुरस्कार वितरण समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि मीडिया को भारतीय सांस्कृतिक विरासत को पहचानना चाहिए और कलाकारों की रक्षा, समर्थन तथा पोषण करना चाहिए। उन्होंने कहा कि राष्ट्र की सांस्कृतिक विरासत और गौरव को बरकरार रखने के लिए कलाकारों ने महत्वपूर्ण योगदान किया है। समारोह में 75 वर्ष से अधिक आयु के 85 कलाकारों को सम्मानित किया गया।

मद्रास उच्च न्यायालय का निर्देश

एक माह में सरकारी जमीन खाली करें कलानिधि

चेन्नई/वार्ता। मद्रास उच्च न्यायालय ने द्रमुक के लोकसभा सांसद वी.कलानिधि को एक महीने अंदर चेन्नई के कोयम्बेडु इलाके उस सरकारी जमीन को खाली करने का निर्देश दिया है, जहां उन्होंने एक निजी अस्पताल बनाया है। न्यायालय ने कहा कि अगर उन्होंने एक महीने के अंदर सरकारी जमीन को खाली नहीं किया तो उन्हें जमीन से बेदखल कर दिया जाएगा। कलानिधि पेशे से चिकित्सक हैं और द्रमुक के पूर्व मंत्री अर्कोट एन. वीरासामी के बेटे हैं। वह 2019 में चेन्नई उत्तर लोकसभा सीट से निर्वाचित हुए हैं और उनके द्वारा दायर दो याचिकाओं पर आदेश पारित करते हुए न्यायमूर्ति एसएम सुब्रमण्यम ने उन्हें जमीन खाली करने के लिए 15 अक्टूबर तक का समय दिया। अदालत ने उन्हें सक्षम अधिकारियों को संपत्ति का कब्जा सौंपने का भी निर्देश दिया, जिसमें विफल रहने पर अदालत ने चेन्नई कलेक्टर को उन्हें तुरंत बेदखल करने का निर्देश दिया।

घुसपैठ की कोशिश कर रहे तीन आतंकवादी ढेर

श्रीनगर/भाषा। जम्मू-कश्मीर के बारामूला जिले में शनिवार को सुरक्षाबलों ने नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर घुसपैठ की कोशिश को नाकाम करते हुए तीन आतंकवादियों को मार गिराया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि बारामूला जिले के उरी क्षेत्र के सीमावर्ती इलाके हथलंगा में आतंकवादियों के खिलाफ अभियान चलाया गया। सेना की चिनार कोर ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में लिखा, भारतीय सेना, जम्मू कश्मीर पुलिस और खुफिया एजेंसियों के संयुक्त अभियान में बारामूला के उरी क्षेत्र में नियंत्रण रेखा के पास सुबह घुसपैठ की कोशिश को नाकाम कर दिया गया।

जल्द ही लखनऊ में बनेगी ब्रह्मोस मिसाइल : राजनाथ सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को कहा कि ब्रह्मोस मिसाइल का कार्य भी तेजी से चल रहा है और अगले वर्ष फरवरी-मार्च के बाद लखनऊ की धरती पर मिसाइल बनने का कार्य भी आरंभ हो जाएगा।

रक्षा मंत्री ने शनिवार को अपने संसदीय निर्वाचन क्षेत्र लखनऊ दौरे के दूसरे दिन यहां गोमती नगर में आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि ब्रह्मोस मिसाइल का कार्य भी तेजी से चल रहा है और फरवरी-मार्च के बाद लखनऊ की धरती पर मिसाइल बनने का कार्य भी आरंभ हो जाएगा। उन्होंने कहा कि डीआरडीओ (रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन) का कार्य भी जल्द पूरा होगा और जिसके कारण लखनऊ वासियों को उसका लाभ मिलेगा।

इसके पहले जून के दूसरे पखवाड़े में सिंह ने यहां आत्मनिर्भर भारत पर आयोजित एक कार्यक्रम में कहा था कि उत्तर प्रदेश रक्षा औद्योगिक गलियारा (यूपीडीआईसी) में नट-बोल्ट से लेकर ब्रह्मोस मिसाइल तक का विनिर्माण होगा। उन्होंने कहा था, हमने उत्तर प्रदेश और तमिलनाडु में रक्षा गलियारा के जरिए रक्षा विनिर्माण के लिए एक अनुकूल वातावरण तैयार किया है। यूपीडीआईसी के बारे में मुझे बताया गया है कि इस गलियारे के लिए करीब 1,700 हेक्टेयर भूमि के अधिग्रहण की योजना है, जिसमें से 95 प्रतिशत से अधिक भूमि का पहले ही अधिग्रहण किया जा चुका है।

चुनौतियों के बावजूद सफलता की ओर अग्रसर चीतों को दोबारा बसाने की परियोजना

नई दिल्ली/भाषा। भारत में चीतों को दोबारा बसाने की परियोजना चुनौतियों के बावजूद सफलता की ओर अग्रसर है। परियोजना प्रमुख ने कई विशेषज्ञों द्वारा उठाई गई चिंताओं के बीच यह बात कही।

पर्यावरण मंत्रालय में अतिरिक्त वन महानिदेशक एस.पी. यादव ने पीटीआई-भाषा के साथ एक साक्षात्कार में कहा कि दक्षिण अफ्रीका ने चीतों के पुनरुत्पादन में विशेषज्ञता हासिल करने से पहले 20 वर्षों में नौ असफल प्रयासों और 200 से अधिक चीतों की मौत को देखा।

यादव ने कहा, दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति ने कहा है कि भारत चीतों की अच्छी देखभाल कर रहा है इसलिए वह भारत को चीते दान करने के साथ ही समर्थन देना चाहते हैं। हमारे पास बाघ, शेर, तेंदुए, हिम तेंदुए जैसी प्रजातियों को बचाने और संरक्षित करने का अच्छा रिकॉर्ड है। इस रिकॉर्ड और अनुभव के आधार पर मैं कह सकता हूं कि भारत में चीतों को पुन: बसाने की परियोजना सफलता की ओर है।

किसी को भी बयान देने से पहले सनातन को समझना चाहिए : मनमोहन वैद्य

- भारत एक आध्यात्मिक लोकतंत्र है।
- इतिहास में भी कई लोगों ने सनातन धर्म को खत्म करने की कोशिश की है, लेकिन असफल रहे।
- भगवान कृष्ण ने कहा था कि जब भी धर्म पर संकट आएगा, वह इसे बचाने आएंगे। आरएसएस उसी रास्ते पर चल रहा है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुणे/भाषा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के संयुक्त महासचिव मनमोहन वैद्य ने शनिवार को कहा कि सनातन धर्म को खत्म करने की बात करने वालों को ऐसे बयान देने से पहले इसकी परिभाषा को समझना चाहिए। सह सरकार्यवाह वैद्य ने यहां आरएसएस की समन्वय बैठक के हिस्से के रूप में दिन के दौरान हुए विचार-विमर्श के बाद प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि भारत एक आध्यात्मिक लोकतंत्र है।

हाल में द्रमुक नेता उदयनिधि स्टालिन और ए. राजा ने दावा किया था कि सनातन धर्म ने समाज में विभाजन पैदा किया है और इसे डेंगू, मलेरिया और कोरोना वायरस जैसी बीमारियों की तरह खत्म किया जाना चाहिए। इन बयानों के बारे में पूछे जाने पर वैद्य ने कहा, कुछ लोग सनातन धर्म को खत्म करने की बात कर रहे हैं, लेकिन क्या ये लोग इन सभी शब्दों का असली मतलब जानते हैं? उन्हें इन शब्दों का इस्तेमाल करने से पहले सनातन धर्म की परिभाषा समझनी चाहिए।

आरएसएस के वरिष्ठ पदाधिकारी ने दावा किया, सनातन का अर्थ शाश्वत है, जो भारत की आध्यात्मिक जीवनशैली का आधार है और जो आंतरिक रूप से समग्र है।

द्रमुक नेताओं द्वारा की गई टिप्पणियों को राजनीतिक करार देते हुए उन्होंने कहा कि इतिहास में भी कई लोगों ने सनातन धर्म को खत्म करने की कोशिश की है, लेकिन असफल रहे। वैद्य ने कहा, भगवान कृष्ण ने कहा था कि जब भी धर्म पर संकट आएगा, वह इसे बचाने आएंगे। आरएसएस उसी रास्ते पर चल रहा है।

सभी क्षेत्रों में महिलाओं की भूमिका बढ़े : आरएसएस

पुणे/वार्ता। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ(आरएसएस) की अखिल भारतीय समन्वय बैठक में देश और समाज में महिलाओं को अग्रणी भूमिका निभाने के लिए प्रोत्साहित करने का निर्णय लिया गया है। पुणे में 14 सितंबर से 16 सितंबर तक तीन दिन चली बैठक के समापन के बाद आरएसएस के सह सरकार्यवाह डॉ. मनमोहन वैद्य ने आज यहां बताया कि देश और समाज में महिलाओं को अग्रणी भूमिका निभाना चाहिए इसलिए सभी क्षेत्रों में महिलाओं का सहभाग बढ़े, इसके लिए संघ प्रेरित सभी संगठन प्रयास करेंगे।

इस अवसर पर अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर भी उपस्थित थे। इस बैठक का समापन सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत के भाषण के साथ हुआ। बैठक में 36 विभिन्न संगठनों के कुल 246 प्रतिनिधि उपस्थित थे। डॉ. वैद्य ने कहा कि भारत के चिंतन में परिवार सबसे छोटी इकाई होती है। परिवार में महिलाओं की भूमिका सबसे प्रमुख होती है। इसलिए समाज के हर क्षेत्र में महिलाओं को अग्रणी भूमिका निभानी चाहिए। महिलाओं की समाज में सक्रियता बढ़ रही है जो सराहनीय है। इसी संदर्भ में संघ की शताब्दी योजना के अंतर्गत महिलाओं की सहभागिता बढ़ाने पर बैठक में चर्चा की गई। महिलाओं में आपसी संपर्क बढ़ाने के लिए देशभर में 411 सम्मेलन आयोजित किये जाएंगे। अब तक 12 प्रांतों में इस तरह के 73 सम्मेलन आयोजित किए जा चुके हैं। इनमें एक लाख 23 हजार से अधिक महिलाओं का सहभागिता रही।

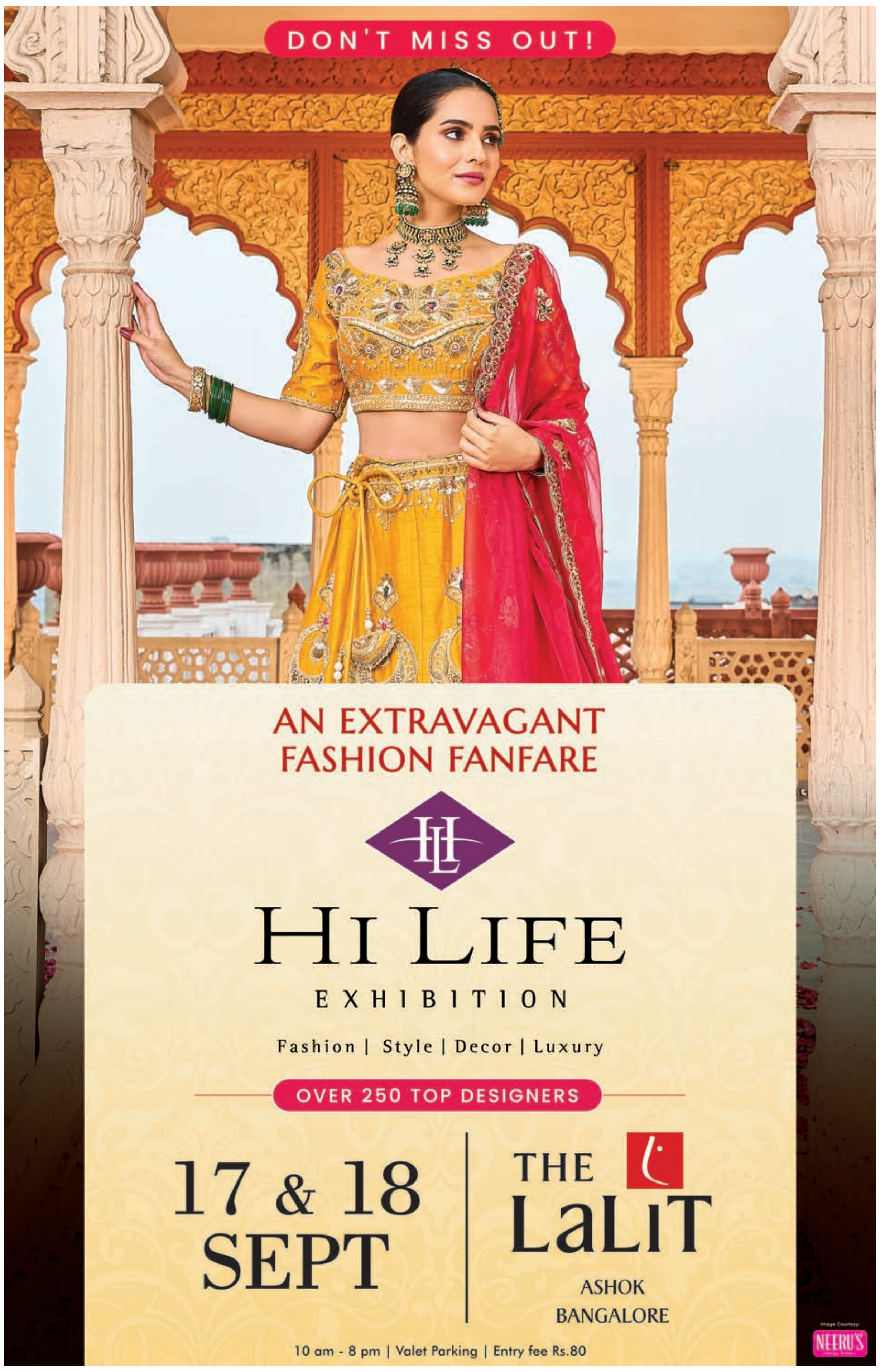

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

आत्मावलोकन

अपनी जड़ताओं को,
ऊँची टाँक कर तो देखो।
भीतर की गंदगी को,
थोड़ा ढाँक कर तो देखो।
अपनी कमजोरी को,
जरा आँक कर तो देखो।
बस एक बार गिरेबां में,
अपने झाँक कर तो देखो।।

कर्नाटक सरकार ने 7,660 करोड़ रु. की 91 निवेश परियोजनाओं को मंजूरी दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। राज्य स्तरीय एकल खिड़की मंजूरी समिति (एसएलएसडब्ल्यूसीसी) ने शुक्रवार को कर्नाटक में 18,146 रोजगार सृजन क्षमता वाले 7,659.52 करोड़ रुपए के 91 औद्योगिक निवेश प्रस्तावों को मंजूरी दी। बड़े और मध्यम उद्योग और बुनियादी ढांचा विकास मंत्री एमबी पाटिल की अध्यक्षता वाली एसएलएसडब्ल्यूसीसी समिति ने 50 करोड़ रुपए से अधिक के निवेश वाली 26 परियोजनाओं को मंजूरी दी, जिनकी कुल लागत 5,750.73 करोड़ रुपए है। इनमें 13,742 नौकरियां पैदा करने की क्षमता है। कुछ शीर्ष निवेशकों में मारुति सुजुकी इंडिया, एकस कंज्यूमर, साउथ वेस्ट माइनिंग और टाटा सेमीकंडक्टर, और क्रिप्टन (इंडिया) सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड शामिल हैं। कुल 91 प्रस्तावों में से लगभग 57 निवेश परियोजनाएं 15 करोड़ रुपए से 50 करोड़ रुपए के बीच हैं, जिनकी कुल कीमत 1,144.94 करोड़ रुपए है, जो कर्नाटक में 4,404 रोजगार के अवसरों का सृजन करेंगी। समिति द्वारा 763.85 करोड़ रुपए के अतिरिक्त निवेश वाली आठ परियोजनाओं को भी मंजूरी दी गई।

बैठक में वाणिज्य एवं उद्योग प्रमुख सचिव डॉ. एस सेल्वाकुमार, औद्योगिक विकास आयुक्त गुंजन कृष्णा, श्रम विभाग सचिव मोहम्मद मोहसिन, केआईएडीबी सीईओ डॉ. एम महेश, आईटी/बीटी विभाग निदेशक दर्शन एचवी, कर्नाटक उद्योग मित्र के प्रबंध निदेशक डोड्डाबासवाराजू मौजूद थे।

दपरे : हिंदी दिवस समारोह एवं राजभाषा पखवाड़े का शुभारंभ किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हुब्बल्ली। दक्षिण पश्चिम रेलवे के प्रधान कार्यालय रेल सौधा में महाप्रबंधक संजीव किशोर की अध्यक्षता में 14 सितंबर को सुबह हिंदी दिवस समारोह एवं राजभाषा पखवाड़ा का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ की गई।

महाप्रबंधक संजीव किशोर ने केंद्रीय रेल मंत्री के 'हिंदी दिवस संदेश' का वाचन किया। प्रधान मुख्य सामग्री प्रबंधक-सह-मुख्य राजभाषा अधिकारी अरविंद कुमार सिरोही ने केंद्रीय गृह मंत्री के 'हिंदी दिवस संदेश' का वाचन किया।

समारोह में दक्षिण पश्चिम रेलवे के अपर महाप्रबंधक यू सुब्बाराव, प्रधान मुख्य विभागाध्यक्षों के साथ-साथ अन्य अधिकारी भी मौजूद थे। इस दौरान अधिकारियों के लिए राजभाषा एवं रेलवे से संबंधित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संचालन राजभाषा अधिकारी मो. नूरुद्दीन ने की। धन्यवाद ज्ञापन के साथ समारोह संपन्न हुआ। यह जानकारी मुख्य जनसंपर्क अधिकारी अनीश हेगड़े ने दी।

दक्षिण पश्चिम रेलवे ने स्वच्छता पखवाड़े का शुभारंभ किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हुब्बल्ली। दक्षिण पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक संजीव किशोर ने शनिवार को केएसआर बेंगलूरु रेलवे स्टेशन पर अधिकारियों और कर्मचारियों को स्वच्छता शपथ दिलाकर स्वच्छता पखवाड़े का शुभारंभ किया। कार्यक्रम की शुरुआत महाप्रबंधक के नेतृत्व में रेलवे स्टेशन परिसर में हस्ताक्षर अभियान और वॉकथॉन के साथ हुई। पहला दिन 'स्वच्छता जागरूकता दिवस' के रूप में मनाया गया। इस दौरान लोगों में स्वच्छता के महत्त्व और रेलवे परिसर में एकल उपयोग प्लास्टिक से बचने को लेकर जागरूकता पैदा की गई। इस मौके पर संजीव किशोर ने रेलवे स्टेशन का निरीक्षण किया और यात्रियों से पर्यावरण को प्रदूषण से बचाने के लिए प्लास्टिक बैग की जगह कपड़े के बैग का इस्तेमाल करने की अपील की। रेलवे की भारत स्काउट और गाइड इकाई ने रेलवे परिसर में यात्रियों को स्वच्छता के बारे में जागरूक करने के लिए एक नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया। एक अभिनव पहल 'प्लास्टिक असुर' ने स्टेशन परिसर के चारों ओर घूमकर एकल-उपयोग प्लास्टिक के खतरों के बारे में जागरूकता पैदा की और यात्रियों, जनता को प्लास्टिक का उपयोग छोड़ने के लिए प्रोत्साहित किया।

निरीक्षण के क्रम में संजीव किशोर ने रेलवे स्टेशन पर एकल-उपयोग प्लास्टिक बोतलों से स्थापित की गई मूर्ति को देखा और उसकी सराहना की। बेंगलूरु मंडल की पर्यावरण और हाउस कीपिंग शाखा ने स्टेशन से एकत्रित 18 किलोग्राम अपशिष्ट प्लास्टिक की बोतलों का उपयोग करके केवल दस घंटे में यह मूर्ति बनाई है।

इस अवसर पर मुख्य यांत्रिक अभियंता (पर्यावरण और हाउस कीपिंग) अजय सिंह, मंडल रेल प्रबंधक योगेश मोहन और अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। दपरे महिला कल्याण संगठन की जोनल अध्यक्ष डॉ. वंदना श्रीवास्तव के साथ मंडल अध्यक्ष शिखा अग्रवाल और संगठन के अन्य सदस्यों ने भी कार्यक्रम में भाग लिया। इसी तरह, मैसूरु और हुब्बली मंडलों में भी स्वच्छता पखवाड़ा शुरू किया गया। दपरे के विभिन्न स्थानों पर स्वच्छता शपथ दिलाई गई। रेलवे को स्वच्छ और हरित बनाए रखने में मदद करने के लिए रेल यात्रियों को जागरूक करने के लिए स्टेशनों पर फील्ड इकाइयां, फ्रंटलाइन कर्मचारी जागरूकता अभियान में लगे हुए हैं। यह जानकारी मुख्य जनसंपर्क अधिकारी अनीश हेगड़े ने दी।

सहज स्मृति योग

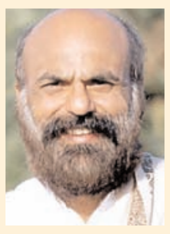

व्यक्ति के मन में जो आध्यात्मिक प्रश्न उठते हैं उनका इस स्तंभ में समाधान प्रस्तुत करने का काम कर रहे हैं गुरुजी श्री नंदकिशोर तिवारी। व्यक्ति की पृष्ठभूमि चाहे किसी भी मत, सम्प्रदाय, मज़हब से हो, सहज स्मृति योग का सरोकार मनुष्य के मात्र आत्मवान होने से है। इसलिए सहज स्मृति योग का ध्यान केवल जिज्ञासु के समाधान पर रहता है। आप भी अपनी जिज्ञासाएं guruji@darpanfoundation.com पर ईमेल या व्हाटस अप (9902912396) द्वारा भेज सकते हैं।

प्रश्न: गुरुजी, ब्रांड और नाम दोनों में क्या अंतर है? क्या दोनों एक ही हैं?

उत्तर: ब्रांड सहस्रों शताब्दियों पूर्व भारत से ही चला शब्द है किंतु, पूरे विश्व में अभी तक पश्चिमी शिक्षा का बोलबाला है जिसमें हरेक प्राचीनतम संकल्पना का आरंभ ग्रीक सभ्यता से होना सिद्ध किया जाता है और खोज को आगे न जाने देने के लिए विद्वानों द्वारा बलात् पूर्ण विराम रूपी दरवाज़ा बंद कर दिया जाता है। दुर्भाग्य से हमारे अपने ही देश के कितने इतिहासविद् और भाषा विद् यही पिष्टपेषण करने में लगे हुए हैं। ब्रांड शब्द भी इसका अपवाद नहीं है। आप शब्दकोष उठाकर या गूगल कर के स्वयं ही देख लीजिए, प्रमाण मिल जाएगा। वास्तव में जब कोई चीज जलती है तो उससे गंध निकलती है जिसे बरांद कहते हैं, ब्रांड इसी बरांद का अपभ्रंश है। आज भी भारत के किसी भी कोने में जब कोई नंदी (सांड) होने के लिए छोड़ा जाता है तो उसके पुट्ठे पर आग में गर्म कर त्रिशूल का निशान दाग दिया जाता है। इस क्रिया से ही ब्रांडिंग शब्द प्रचलन में आया था।

ज्ञान का यथार्थ मार्ग और क्रम भारत भूमि से चीन, अरब आदि होते हुए अरब से ग्रीक और ग्रीक से यूरोप और यूरोप से पुनः पूरे विश्व में फैलने और विकसित होने का है। किंतु जब तक भारत राष्ट्र शास्त्र धारी और शस्त्र धारी होने के अपने दोनों ही रूपों में श्रेष्ठतम होने का अपना खोया हुआ गौरव पुनः स्थापित नहीं कर लेता तब तक इस यथार्थ क्रम की प्रतिष्ठा वैश्विक स्तर पर शैक्षिक पाठ्यक्रम में कैसे हो सकती है? आत्म-ज्ञान, आत्म-गौरव और आत्म निर्भरता हेतु सबके निरंतर पुरुषार्थ करने से ही यह सम्भव होगा। नाम सनातन है।

दपरे के हुब्बली मंडल ने मॉक ड्रिल का आयोजन किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हुब्बल्ली। दक्षिण पश्चिम रेलवे के हुब्बली मंडल ने एनडीआरएफ, राज्य पुलिस, फायर ब्रिगेड, होमगार्ड, रेड क्रॉस और रेलवे नागरिक सुरक्षा संगठन के सहयोग से 15 सितंबर को हुब्बली रेलवे स्टेशन यार्ड में पूर्ण पैमाने पर मॉक ड्रिल का आयोजन किया। यह आयोजन आपदा प्रबंधन योजना की प्रभावकारिता का परीक्षण करने के लिए किया गया, जिसमें रेलवे के विभिन्न विभागों के कर्मियों को आपातकाल के दौरान सुरक्षा-संबंधी उपायों का अभ्यास करने में सक्षम बनाने वाली गतिविधियां शामिल है।

कश्मीर में फिर से पनप रहा आतंकवाद, सरकार कड़े कदम उठाए: जेकेपीसीसी प्रमुख

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीनगर/भाषा। कांग्रेस की जम्मू-कश्मीर इकाई ने शनिवार को घाटी में आतंकवाद के फिर से पनपने का जिक्र करते हुए इस पर अंकुश लगाने के लिए सरकार से ठोस कदम उठाने की मांग की। जम्मू-कश्मीर प्रदेश कांग्रेस कमेटी (जेकेपीसीसी) के अध्यक्ष विकार रसूल वानी ने बुधवार को कोकेरनाग इलाके में आतंकवादियों से मुठभेड़ में सुरक्षा बलों के तीन अधिकारियों की शहादत पर शोक जताया और इस आतंकवादी कृत्य की निंदा की।

आतंकवादियों से मुठभेड़ में बुधवार को मेजर आशीष ढोचक, 19 राष्ट्रीय राइफल्स के कमांडिंग ऑफिसर कर्नल मनप्रीत सिंह, एक अन्य सैनिक, जम्मू-कश्मीर पुलिस के उपाधीक्षक हुमायूं भट शहीद हो गए। गोलीबारी चौथे दिन शनिवार को भी जारी रही। वानी ने यहां 'पीटीआई-भाषा' से कहा, हम स्पष्ट शब्दों में इसकी निंदा करते हैं। यह बहुत दुखद घटना है। स्थिति यह है कि आतंकवाद खत्म नहीं हुआ है, जैसा कि भारत सरकार या उपराज्यपाल प्रशासन दावा करता है। मेरा मानना है कि उन्हें आतंकवाद पर अंकुश लगाने के लिए एक व्यापक नीति बनानी चाहिए ताकि लोग उस संकटपूर्ण जीवन से बाहर आ सकें जिसे वे पिछले 35 वर्षों से जी रहे हैं। वानी ने कहा कि इस मुद्दे पर उनकी पार्टी राजनीति नहीं करेगी और यह इन हत्याओं से दुखी है।

जम्मू कश्मीर: अनंतनाग में आतंकवादियों के खिलाफ अभियान चौथे दिन भी जारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीनगर/भाषा। जम्मू-कश्मीर में अनंतनाग जिले के घने वन क्षेत्र से आतंकवादियों का सफाया करने का अभियान शनिवार को चौथे भी जारी है और इसके लिए ड्रोन और हेलीकॉप्टर की मदद ली जा रही है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अनंतनाग में हुई मुठभेड़ में सुरक्षा बल के तीन अधिकारी और एक अन्य जवान शहीद हो गए थे। अधिकारियों ने बताया कि दक्षिणी कश्मीर जिले के कोकेरनाग इलाके में गडोले के जंगलों में आतंकवादियों के ठिकानों का पता लगाने के लिए ड्रोन और हेलीकॉप्टर को तैनात किया गया है। उन्होंने बताया कि मुठभेड़ के चौथे दिन शनिवार को जैसे ही हमला फिर से शुरू हुआ, सुरक्षाबलों ने जंगल की ओर कई मोर्टार गोले दागे।

ड्रोन की फुटेज में शुक्रवार को एक गुफा पर गोले दागने के बाद एक आतंकवादी पनाह के लिए भागता दिखाई दिया। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (कश्मीर) विजय कुमार ने शुक्रवार देर रात बताया कि यह अभियान विशेष सूचना के बाद चलाया गया और उन्होंने दावा किया, फंसे हुए दो से तीन आतंकवादियों पर काबू पा लिया जाएगा। आतंकवादियों के साथ बुधवार सुबह मुठभेड़ में सेना की 19 राष्ट्रीय राइफल्स इकाई के कमांडिंग अधिकारी कर्नल मनप्रीत सिंह, मेजर आशीष ढोचक, जम्मू-कश्मीर पुलिस के उपाधीक्षक हुमायूं भट्ट और सेना का एक अन्य जवान शहीद हो गए थे।

एसआईए ने जम्मू-कश्मीर के रियासी में आतंकवादी मॉड्यूल का भंडाफोड़ करने के लिए छापे मारे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जम्मू/भाषा। विशेष जांच एजेंसी (एसआईए) ने जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले में आतंकवाद को पुनर्जीवित करने के आतंकवादियों के प्रयासों की जानकारी मिलने के बाद जिले के ऊपरी इलाकों में छापे मारे। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी।

पुलिस के एक अधिकार ने बताया कि जम्मू-कश्मीर पुलिस की आतंकवाद निरोधक शाखा एसआईए के जांचकर्ताओं ने पौनी और माहौर तहसील में छापेमारी इन खुफिया रिपोर्ट के आधार पर की कि 'ओवरग्राउंड वर्कर' (ओजीडब्ल्यू) राष्ट्र-विरोधी तत्वों को रसद सहायता एवं जानकारी मुहैया करा रहे हैं। ओजीडब्ल्यू वे लोग होते हैं, जो आतंकवादियों को साजो-सामान उपलब्ध कराते हैं और गुप्त गतिविधियों के संचालन में उनकी मदद करते हैं। अधिकारी के मुताबिक, छापेमारी के दौरान कुछ इलेक्ट्रॉनिक उपकरण और कई दस्तावेज जब्त किए गए हैं। रियासी में एक दशक से भी अधिक समय पहले आतंकवाद का खात्मा कर दिया गया था, लेकिन पिछले कुछ वक्त से ऊपरी इलाकों में आतंकवादियों की कथित गतिविधियां देखी जा रही हैं। इस साल निकटवर्ती राजौरी और पुंछ जिले में नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास और भीतरी इलाकों में अलग-अलग मुठभेड़ों में 25 से अधिक आतंकवादियों को मार गिराया जा चुका है। रियासी जिले के गली सोहाब गांव में चार सितंबर को सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में एक आतंकवादी मारा गया था, जबकि एक अन्य आतंकवादी भाग गया था।

जम्मू कश्मीर: 13 भगोड़े आतंकवादियों की संपत्तियों की कुर्की की कार्रवाई शुरू की गई

जम्मू/भाषा। जम्मू कश्मीर की एक अदालत ने पाकिस्तान में रह रहे 13 आतंकवादियों को भगोड़ा घोषित कर दिया है, जिससे 30 दिनों के भीतर अदालत में पेश होने में विफल रहने पर उनकी संपत्तियों को कुर्क करने का रास्ता साफ हो गया है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा 82 के तहत उद्घोषणा नोटिस स्थानीय पुलिस की विशेष जांच इकाइयों (एसआईयू) द्वारा मुनादी करवाने के साथ किश्तवाड़ के विभिन्न हिस्सों में आतंकवादियों के परिवारों को दिया गया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक खलील पोसवाल ने कहा कि सीमा पार से काम कर रहे और जिले में आतंकवाद को पुनर्जीवित करने के बार-बार प्रयास कर रहे 13 स्थानीय आतंकवादियों को पहले भी जारी गैर जमानती वारंट पर जवाब देने में विफल रहने के बाद भगोड़ा घोषित कर दिया गया।

भारत को अब प्रति व्यक्ति आय बढ़ाने पर देना होगा ध्यान: रंगराजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। रिजर्व बैंक के पूर्व गवर्नर सी रंगराजन ने भारत के दुनिया की पांचवीं बड़ी अर्थव्यवस्था बनने को एक 'असरदार कामयाबी' बताने के साथ ही शनिवार को कहा कि देश की प्रति व्यक्ति आय को भी तेजी से बढ़ाने की जरूरत है।

रंगराजन ने आईसीएफएआई फाउंडेशन फॉर हायर एजुकेशन के 13वें दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि कोविड-19 महामारी खत्म होने और रूस-यूक्रेन युद्ध की पृष्ठभूमि में देश के भावी विकास के लिए एक स्पष्ट खाका तैयार करने की जरूरत है। इस दिशा में आर्थिक वृद्धि दर को बढ़ाना सबसे पहला और अहम काम होगा। उन्होंने कहा, भारत का दुनिया की पांचवीं बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाना एक असरदार कामयाबी है। लेकिन प्रति व्यक्ति आय के नजरिये से देखें तो दूसरी तस्वीर ही नजर आती है। वर्ष 2020 में प्रति व्यक्ति आय के मामले में भारत 197 देशों में 142वें स्थान पर था। यह दर्शाता है कि अभी हमें कितना लंबा सफर तय करना है।रंगराजन ने इस सफर में वृद्धि को अहम बताते हुए कहा, हमारे पास प्रति व्यक्ति आय के मौजूदा स्तर को देखते हुए तेजी से बढ़ने के सिवाय कोई विकल्प नहीं है। उन्होंने कहा कि अगर देश अगले दो दशक या उससे अधिक समय तक प्रति वर्ष सात प्रतिशत की दर से वृद्धि करता है तो अर्थव्यवस्था के स्तर में खासा बदलाव हो सकेगा और भारत एक विकसित अर्थव्यवस्था का दर्जा भी हासिल कर सकता है।

क्या अडाणी मामले में सेबी नींद से जागेगी : कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। कांग्रेस ने एक खबर का हवाला देते हुए शनिवार को दावा किया कि मॉरीशस में अडाणी समूह से संबंधित दो निवेश कोष के विरुद्ध नियमों के उल्लंघन को लेकर कार्रवाई की गई है। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने सवाल किया कि आखिर इस मामले में भारतीय प्रतिभूति विनिमय बोर्ड (सेबी) नींद से कब जागेगी?

अमेरिकी कंपनी 'हिंडनबर्ग रिसर्च' द्वारा अडाणी समूह के खिलाफ 'अनियमितताओं' और स्टॉक मूल्य में हेरफेर का आरोप लगाए जाने के बाद से कांग्रेस इस कारोबारी समूह पर निरंतर हमले और संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) से जांच की मांग कर रही है। अडाणी समूह ने हिंडनबर्ग की रिपोर्ट में लगाए गए सभी आरोपों से इनकार किया था और उसका कहना था कि उसकी ओर से कोई गलत काम नहीं किया गया है।

रमेश ने एक समाचार पत्र में प्रकाशित खबर का हवाला देते हुए सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया, समूह के खिलाफ धनशोधन और 'राउंड-ट्रिपिंग' के आरोप और भी मजबूत हो गए हैं। सेबी के मॉरीशस समकक्ष 'वित्तीय सेवा आयोग' (एफएससी) ने वित्तीय सेवा अधिनियम, प्रतिभूति अधिनियम सहित कई कानूनों का उल्लंघन करने के लिए मई 2022 में अडाणी से संबंधित दो निवेश कोष के नियंत्रक शेयरधारक के लाइसेंस रद्द कर दिए।

उनका कहना था, भले ही सेबी असहाय नजर आ रही हो, लेकिन विडंबना यह है कि मॉरीशस के नियामकों ने अडाणी से जुड़ी संदिग्ध संस्थाओं के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की है।

रमेश ने दावा किया, ध्यान रहे कि 'इमर्जिंग इंडिया फंड मैनेजमेंट ने उन दो कोषों को नियंत्रित किया जो विनोद अडाणी के सहयोगियों नासिर अली शाबान अली और चांग चुंग-लिंग के लिए माध्यम थे। अली और चांग ने इन्हीं कोष के जरिये अडाणी समूह कंपनियों में संदिग्ध निवेश किया।

इमर्जिंग इंडिया फंड मैनेजमेंट का लाइसेंस गंभीर आरोपों के आधार पर रद्द कर दिया गया। उन्होंने सवाल किया, क्या सेबी अपनी मोदी निर्मित नींद से जागेगी?

रमेश ने कहा कि अडाणी समूह से जुड़े मामले में संयुक्त संसदीय समिति से जांच जरूरी है।

संसद सत्र की पूर्व संध्या पर रविवार को होगी सर्वदलीय बैठक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। संसद के पांच दिवसीय सत्र में कोई आश्चर्यजनक प्रस्ताव लाए जाने की चर्चाओं के बीच सरकार रविवार को सभी दलों के नेताओं के साथ बैठक कर उन्हें सत्र में होने वाले विधाई एवं अन्य कामकाज के बारे में जानकारी देगी और उनके विचार सुनेगी। सोमवार से शुरू हो रहे सत्र को बुलाए जाने के असामान्य समय ने सभी को हैरत में डाल है। हालांकि सत्र के लिए सूचीबद्ध एजेंडे का एक मुख्य विषय संविधान सभा से शुरू हुई संसद की 75 वर्ष की यात्रा पर एक विशेष चर्चा है।

सरकार ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त और अन्य निर्वाचन आयुक्तों की नियुक्ति के प्रावधानों वाले विधेयक को भी सत्र में चर्चा एवं पारित कराने के लिए सूचीबद्ध किया है। यह विधेयक पिछले मानसून सत्र के दौरान राज्यसभा में पेश किया गया था।

सरकार को संसद में कुछ नए कानून या अन्य विषय पेश करने का विशेषाधिकार प्राप्त है जो जरूरी नहीं है कि सूचीबद्ध एजेंडे का हिस्सा हो। किसी संभावित नए कानून पर कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है, लेकिन लोकसभा और राज्य विधानसभाओं जैसी निर्वाचित विधायिकाओं में महिलाओं के लिए आरक्षण सुनिश्चित करने वाले विधेयक के बारे में चर्चा चल रही है।

सत्र को लेकर लगाए जा रहे कयास के बीच संसद को नए भवन में स्थानांतरित किए जाने की प्रबल संभावना है, जिसका उद्घाटन 28 मई को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने किया था। संसद के विभिन्न विभागों के कर्मचारी भी नई वर्दी में दिखाई पड़ सकते हैं। भारत की अध्यक्षता में राष्ट्रीय राजधानी में जी20 शिखर सम्मेलन के सफल आयोजन ने मोदी लोकप्रियता को और बढ़ा दिया है और इस तथ्य की ओर सत्र में चर्चा सत्ता पक्ष द्वारा प्रमुखता से ध्यान दिलाया जा सकता है। संसद के कर्मचारियों के एक वर्ग के लिए फूल की आकृति वाले नए 'ड्रेस कोड' ने पहले ही एक राजनीतिक विवाद खड़ा कर दिया है। कांग्रेस ने इसे सत्तारूढ़ पार्टी के चुनाव चिह्न कमल के फूल को प्रचारित करने के लिए एक 'सस्ती' रणनीति के रूप में करार दिया है।

प्रदर्शन

कावेरी जल मुद्दे पर आंदोलनकारियों के साथ किसानों ने शनिवार को मांड्या में रास्ता रोको विरोध प्रदर्शन किया।

ओला ने बेंगलूरु में बाइक टैक्सी सेवा फिर से शुरू की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। ओला के सह–संस्थापक एवं कार्यकारी अधिकारी(सीईओ) भाविश अग्रवाल ने शनिवार से इलेक्ट्रिक बाइक टैक्सियों का संचालन फिर से शुरू करने की घोषणा की। अग्रवाल ने शनिवार को यहां कहा कि ओला के एस1 इलेक्ट्रिक स्कूटर को शहर में बाइक टैक्सी के रूप में चलाया जाएगा। उन्होंने कहा, आज बेंगलूरु में ओला बाइक फिर से शुरू हो रही है।

यह घोषणा कर्नाटक प्राइवेट ट्रांसपोर्टर्स एसोसिएशन के बंद के मद्देनजर आई है, जिसमें कांग्रेस सरकार से बेंगलूरु में टैक्सी संचालन पर प्रतिबंध लगाने की मांग की गई है। इससे पहले, यात्रियों को ले जाने पर ऑटो रिक्शा चालकों द्वारा बाइक टैक्सी सवारों पर हमला करने के कुछ मामले सामने आए थे।

ओला ने पहले बेंगलूरु में बाइक टैक्सी सेवा शुरू की थी लेकिन फिर उसे वापस ले ली। अग्रवाल ने माइक्रोब्लॉगिंग साइट पर बाइक टैक्सियों की कीमतों की भी घोषणा की। उन्होंने कहा कि पांच किलोमीटर की सवारी के लिए 25 रुपये और 10 किलोमीटर के लिए 50 रुपये तय किए गए हैं। उन्होंने कहा कि कीमत सबसे कम और सफर बहुत आरामदायक है, साथ ही यह पर्यावरण के लिए भी बढ़िया है।अगले कुछ महीनों में इस सेवा को पूरे भारत में बढ़ाया जाएगा।

मंत्री राजन्ना ने लोकसभा चुनाव से पहले तीन और उपमुख्यमंत्री नियुक्त करने की वकालत की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तुमकुर। कर्नाटक के सहकारिता मंत्री राजन्ना ने लोकसभा चुनाव से पहले राज्य में तीन और उपमुख्यमंत्री नियुक्त करने की वकालत की है। सहकारिता मंत्री केएन राजन्ना ने शनिवार को तीन और उपमुख्यमंत्री नियुक्त किये जाने का सुझाव देते हुए कहा कि वह 2024 के लोकसभा चुनावों को ध्यान में रखते हुए कांग्रेस आलाकमान के साथ इस पर चर्चा करेंगे। उन्होंने वीरशैव–लिंगायत, अनुसूचित जाति–जनजाति और अल्पसंख्यक समुदायों के नेताओं को उपमुख्यमंत्री पद दिए जाने की वकालत की। फिलहाल वोक्कालिगा समुदाय से संबंधित डी के शिवकुमार सिद्दरामैया के नेतृत्व वाले मंत्रिमंडल में उपमुख्यमंत्री हैं। शिवकुमार प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष भी हैं। राजन्ना ने यहां संवाददाताओं से कहा, लोकसभा चुनाव नजदीक है, हम सो रहे हैं और सभी दल चुनाव की तैयारी कर रहे हैं। हमारी इच्छा है कि कांगेस को कर्नाटक में अधिकतम सीट पर जीतना चाहिए। हमें अपनी जीत पर भरोसा है।

मंत्री ने कहा कि उपमुख्यमंत्री का एक–एक पद अनुसूचित जाति–जनजाति, अल्पसंख्यक समुदाय और वीरशैव समुदाय के नेता को दिया जाना चाहिए। मंत्री ने अपने इस विचार को व्यक्तिगत राय बाताते हुए कहा कि वह इस मसले पर हाईकमान के साथ चर्चा करेंगे। किसे उपमुख्यमंत्री बनाना चाहिए? इस सवाल के जवाब में अनुसूचित जनजाति के नेता राजन्ना ने कहा कि इसका फैसला हाईकमान करेगा।

उन्होंने कहा, 'मैं उपमुख्यमंत्री पद नहीं चाहता, लेकिन हाईकामन को इन समुदायों के नेताओं को यह पद देना चाहिए। हाईकमान का निर्णय हम सबका निर्णय होगा।' राजन्ना के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए आईटी/बीटी मंत्री प्रियांक खरगे ने कहा, 'कोई भी कांग्रेस के केंद्रीय नेतृत्व के समक्ष अपनी राय रख सकता है...लेकिन मुझे नहीं लगता कि आलाकमान के समक्ष इस तरह (एक से अधिक उपमुख्यमंत्री) का कोई प्रस्ताव है।'

एक समाचार चैनल पर शुक्रवार को तीन और उपमुख्यमंत्री बनाए जाने से संबंधित राजन्ना के बयान पर शिवकुमार ने कोई प्रतिक्रिया नहीं व्यक्त की है। लेकिन शिवकुमार के भाई और सांसद डी के सुरेश ने संवाददाताओं से कहा, 'आपको इसके बारे में राजन्ना से पूछना चाहिए...वह सरकार चलाने में शामिल हैं।'

महिला के साथ दुर्व्यवहार पर माइक्रो-फाइनेंस कर्मचारी की पिटाई

कोप्पल/दक्षिण भारत। राज्य के इस जिले के हलेबंदीहरलापुरा गांव में एक माइक्रो–फाइनेंस कंपनी के कर्मचारी को एक विवाहित महिला के साथ कथित तौर पर दुर्व्यवहार करने के आरोप में पीटा गया। सूत्रों ने शनिवार को यह जानकारी दी। आरोपी की पहचान यमनुरप्पा के रूप में हुई है, जो गोदावरी माइक्रो–फाइनेंस कंपनी से जुड़ा एक कर्मचारी है। आरोपी की नजर नागम्मा पर थी और उसने उसे लुभाने की योजना बनाई थी।

जब नागम्मा को प्रक्रिया के अनुसार ऋण स्वीकृत किया गया, तो उसने इस पर आपत्ति जताई और कथित तौर पर उसे अपने साथ एक दिन बिताने के लिए कहा। घटनाक्रम के बाद, नागम्मा, उसकी मां ने, गांव में यमनुरप्पा की जूते से पिटाई की। इस घटना से गांव में तनाव पैदा हो गया है और स्थानीय पुलिस ने अभी तक इस संबंध में मामला दर्ज नहीं किया है। नागम्मा द्वारा माइक्रो–फाइनेंस कंपनी के कर्मचारी से मारपीट का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है।

ईडी छापेमारी: 12.82 करोड़ फ्रीज, 2.33 करोड़ की बेहिसाब नकदी जब्त

चेन्नई। प्रवर्तन निदेशालय ने तमिलनाडु में कई स्थानों पर छापेमारी करके रेत खनन माफिया पर कार्रवाई करते हुए 12.82 करोड़ रुपये फ्रीज किए तथा 2.33 करोड़ रुपये की बेहिसाब नकदी और 50 लाख रुपये से ज्यादा कीमत का 1,204.6 ग्राम सोना जब्त किए हैं। ईडी ने अवैध रेत खनन मामले में राज्य के छह जिलों में आठ रेत खनन यार्डों सहित 34 स्थानों पर छापेमारी की। ईडी ने एक रिपोर्ट में कहा, अवैध रेत खनन मामले में गत नौ सितंबर को तमिलनाडु के छह जिलों में आठ रेत खनन यार्डों, रेत खनन ठेकेदारों एस.रामचंद्रन, के. रथिनम और करिकालन एवं उनके सहयोगी, ऑडिटर पी. शनमुगराज, अवैध रेत खनन मामले तथा तमिलनाडु सरकार के जल संसाधन विभाग के अधिकारियों सहित विभिन्न लोगों के आवासीय व व्यावसायिक परिसरों सहित 34 स्थानों पर तलाशी ली गयी। तलाशी के दौरान विभिन्न प्रकार के आपत्तिजनक दस्तावेज पाए गए, 2.33 करोड़ रुपये की बेहिसाब नकदी व 56.86 लाख रुपये मूल्य का 1024.6 ग्राम सोना जब्त किया गया।

बेंगलूरु नकली मुद्रा मामला

विशेष एनआईए अदालत ने छठे आरोपी को दोषी करार दिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/नई दिल्ली। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) की एक विशेष अदालत ने बांग्लादेश से कर्नाटक के रास्ते भारत में भारी मात्रा में उच्च गुणवत्ता वाले नकली नोट की तस्करी से जुड़े मामले में 'वनिता उर्फ थंगम' नाम की एक महिला को दोषी ठहराया है। एनआईए ने शनिवार को बताया कि वनिता बेंगलूरु नकली मुद्रा मामले में दोषी करार दी जाने वाली छठी आरोपी है।

जांच एजेंसी के मुताबिक, उसे भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 489 बी (नकली मुद्रा का असली नोट के रूप में इस्तेमाल करना) के तहत छह साल की कैद, धारा 489 सी (नकली नोट रखना) के तहत पांच साल की कैद और धारा 120बी (आपराधिक साजिश) के तहत दो साल की सजा सुनाई गई है। एनआईए के अनुसार, अदालत ने वनिता पर 20 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया है।

कर्नाटक पुलिस ने 2018 में एनआईए के साथ एक संयुक्त अभियान में 4.34 लाख रुपये के नकली नोट के साथ तीन अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद वनिता से 2.50 लाख रुपये मूल्य के नकली नोट जब्त किए थे। जांच एजेंसी ने बताया कि कर्नाटक पुलिस ने 2018 में एनआईए अधिकारी की ओर से दर्ज कराई गई एक शिकायत के आधार पर आईपीसी की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया था।

एजेंसी ने कहा कि बाद में एनआईए ने मामले को फिर से दर्ज कर गहन जांच और निगरानी की, जिससे मुख्य आरोपी अब्दुल कादिर के नेतृत्व वाले नकली भारतीय मुद्रा नोट रैकेट का पर्दाफाश हुआ। एनआईए ने बताया कि उसकी आगे की जांच में बेंगलूरु में तीन लोगों के नकली नोट के लेनदेन में शामिल होने के संकेत मिले।

एनआईए ने 2018 से 2022 के बीच आठ लोगों के खिलाफ आरोप पत्र दायर किया।

इनमें से तीन –मोहम्मद सज्जाद अली उर्फ चाचू', एमजी राजू उर्फ मास्टर' और अब्दुल कादिर, को विशेष अदालत ने छह साल कैद की सजा सुनाई थी। जांच एजेंसी के मुताबिक, विशेष अदालत ने दो अन्य आरोपियों– गंगाधर खोलकर और सबीरुद्दीन को भी बाद में दोषी करार देते हुए छह साल कैद की सजा सुनाई थी।

खरीददारी

अगले दो दिनों में गणेश गौरी उत्सव को लेकर शहरों में काफी भीड़ देखी जा रहीहै। सभी त्यौहार के मूड में हैं। शनिवार को मैसूरु के देवराजा बाजार में गौरी गणेश उत्सव के लिए खरीदारी करते लोग।

कर्नाटक में भाजपा, जेडीएस के 15 से ज्यादा नेता कांग्रेस में शामिल हुए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भाजपा और जेडीएस के 15 से अधिक प्रमुख नेता और पूर्व पार्षद शुक्रवार को उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार की मौजूदगी में बेंगलूरु में सत्तारूढ़ कांग्रेस में शामिल हो गए। यह समारोह यहां पार्टी कार्यालय के भारत जोड़ो सभागार में आयोजित किया गया। कांग्रेस में शामिल होने वाले प्रमुख नेताओं में पूर्व उप महापौर एल. श्रीनिवास, प्रसाद बाबू और पूर्व तालुक पंचायत सदस्य अंजिनप्पा थे।

शिवकुमार ने उन्हें कांग्रेस के झंडे दिए और पार्टी में उनका स्वागत किया। बेंगलुरु में यशवंतपुर और आरआर नगर निर्वाचन क्षेत्रों से भाजपा और जद–एस नेताओं को शामिल करने के बाद, कांग्रेस द्वारा किया गया यह तीसरा बड़ा ऑपरेशन है। कांग्रेस में शामिल होने के बाद श्रीनिवास ने कहा कि उन्होंने 33 साल तक बीजेपी के लिए काम किया। शिवकुमार ने कहा कि पद्मनाभनगर निर्वाचन क्षेत्र के भाजपा और जद–एस नेता, जिन्होंने बेंगलूरु नगर निगम में सत्ता हासिल करने के पीछे एक बड़ी ताकत के रूप में काम किया, अब कांग्रेस के साथ हैं। भाजपा नेताओं ने उनके साथ अच्छा व्यवहार नहीं किया और अब वे हमारे दरवाजे खटखटा रहे हैं।

उन्होंने खुलेआम कहा है कि वे पार्टी को मजबूत करने के लिए कदम उठाएंगे। वह आगामी बृहत बेंगलुरु महानगर पालिका (बीबीएमपी) चुनाव और लोकसभा चुनाव में जीत हासिल करने की दिशा में काम कर रहे हैं। सूत्रों का कहना है कि शिवकुमार ने आलाकमान को कर्नाटक में 20 से अधिक लोकसभा सीटें जीतने का आश्वासन दिया था। वह बीजेपी और जेडीएस के 20 से ज्यादा विधायकों से बात कर रहे हैं और उन्हें कांग्रेस में शामिल करने की कोशिश कर रहे हैं।

रेडिंगटन आईफोन 15 की देश भर में करेगी पेशकश

चेन्नई। सूचना प्रौद्योगिकी समाधान प्रदाता रेडिंगटन लिमिटेड ने शनिवार को कहा कि वह देश भर में एप्पल के नवीनतम आईफोन और वॉच शृंखला के उत्पादों की पेशकश करेगी। रेडिंगटन ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि उसने आईफोन 15 शृंखला और एप्पल वॉच की नई शृंखला के उत्पादों को देश भर में ग्राहकों को मुहैया कराने के लिए एचडीएफसी बैंक के साथ साझेदारी भी की है। इसके तहत निजी क्षेत्र का यह बैंक इन उत्पादों की खरीद पर कैशबैक की पेशकश करेगा।

हैदराबाद बैठक : पार्टी की कर्नाटक इकाई में दरार सुलझाने की हाईकमान की संभावना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कांग्रेस आलाकमान हैदराबाद में कार्यकारी समिति की बैठक के दौरान पार्टी की कर्नाटक इकाई के भीतर मतभेद का समाधान कर सकता है। कांग्रेस एमएलसी बी.के. हरिप्रसाद, जिन पर मुख्यमंत्री सिद्दरामैया पर तीखा हमला करने और कर्नाटक में दलित सीएम पर बहस छेड़ने के लिए कारण बताओ नोटिस भेजा गया था, वे भी हैदराबाद के लिए रवाना हो गए हैं। कार्यकारी समिति की बैठक में मुख्य रूप से पांच राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनाव की रणनीतियों पर चर्चा होगी हालांकि, पार्टी कर्नाटक में अपनी स्थिति मजबूत करने की इच्छुक है, जहां वह भाजपा को हराने में कामयाब रही।

सूत्रों ने बताया कि हरिप्रसाद मुख्यमंत्री सिद्दरामैया के खिलाफ अपनी टिप्पणी पर शीर्ष नेताओं को स्पष्टीकरण देंगे। बैठक की अध्यक्षता एआईसीसी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, कांग्रेस सांसद सोनिया गांधी और राहुल गांधी संयुक्त रूप से कर रहे हैं। उपस्थित लोगों में कांग्रेस की कार्यकारी समिति के स्थायी सदस्य हरिप्रसाद और पूर्व केंद्रीय मंत्री एम. वीरप्पा मोइली भी शामिल होंगे।

मुख्यमंत्री सिद्दरामैया को भी निमंत्रण मिला है। उपमुख्यमंत्री और कर्नाटक कांग्रेस अध्यक्ष डी.के. शिवकुमार पहले ही हैदराबाद के लिए रवाना हो चुके हैं। सूत्रों ने बताया कि आलाकमान सिद्दरामैया और हरिप्रसाद के बीच मतभेद खत्म करने के लिए उनसे चर्चा करेगा। सूत्रों के मुताबिक, हरिप्रसाद की कैबिनेट मंत्री बनने की महत्वाकांक्षा को मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने ठुकरा दिया था। तब से हरिप्रसाद सिद्दरामैया के नेतृत्व पर सवाल उठाते हुए बयान जारी कर रहे हैं, इससे कांग्रेस सरकार को गंभीर शर्मिंदगी उठानी पड़ रही है।

आईएसआईएस के भर्ती अभियान को नाकाम करने के लिए एनआईए ने तमिलनाडु, तेलंगाना में 31 जगहों पर छापेमारी की

चेन्नई/नई दिल्ली। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने प्रतिबंधित आतंकवादी समूह 'आईएसआईएस' के भर्ती अभियान को विफल करने के लिए शनिवार को तमिलनाडु और तेलंगाना में 31 स्थानों पर छापेमारी की। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। आतंकवाद–रोधी एजेंसी के एक प्रवक्ता ने कहा कि तलाशी के दौरान कई डिजिटल उपकरण, दस्तावेज, स्थानीय और अरबी भाषाओं में आपत्तिजनक किताबें और 60 लाख रुपये के साथ–साथ 18,200 अमेरिकी डॉलर नकद जब्त किए गए।

अधिकारी ने कहा कि एजेंसी जब्त किए गए मोबाइल फोन, लैपटॉप और हार्ड डिस्क को खंगाल रही है। प्रवक्ता ने कहा कि एनआईए के कई दलों ने तमिलनाडु के कोयंबटूर में 22 स्थानों, चेन्नई में तीन और तेन्काशी जिले में एक और तेलंगाना के हैदराबाद में पांच स्थानों पर छापे मारे।

उन्होंने कहा कि यह छापेमारी एनआईए द्वारा चेन्नई में भारतीय दंड संहिता और गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत दर्ज एक मामले के संबंध में की गई है।

यह मामला भोले–भाले युवकों को कट्टरपंथी बनाने के लिए व्यक्तियों के एक समूह के गुप्त अभियानों से संबंधित है।

प्रवक्ता ने कहा, क्षेत्रीय अध्ययन केंद्रों के माध्यम से अरबी भाषा की कक्षाएं आयोजित करने की आड़ में कट्टरपंथ को बढ़ावा दिया जा रहा था। इस तरह की कट्टरपंथी गतिविधियों को सोशल मीडिया मंचों और व्हाट्सऐप व टेलीग्राम जैसी ऑनलाइन संदेश सेवाओं के माध्यम से प्रसारित किया जा रहा था। उन्होंने कहा, मामले में शामिल व्यक्तियों के समूह ने युवाओं को कट्टरपंथी बनाने और आतंकवादी संगठन में भर्ती करने की साजिश रची थी, जो बाद में आतंकवादी और गैरकानूनी गतिविधियों में शामिल पाए गए।

कावेरी नदी के पानी के लिए केंद्रीय जल शक्ति मंत्री के पास प्रतिनिधिमंडल भेजेंगे : स्टालिन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने शनिवार को कहा कि तमिलनाडु के सभी दलों के सांसद केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत को ज्ञापन सौंपकर अनुरोध करेंगे कि केंद्र सरकार कर्नाटक को उनके राज्य के लिए कावेरी नदी का पानी छोड़ने का सुझाव दे। स्टालिन ने कहा कि तमिलनाडु के लिए पानी छोड़ने के खिलाफ कर्नाटक सरकार की दलील 'त्रुटिपूर्ण' और असंवैधानिक है जिससे केंद्र सरकार को अवगत कराया गया है और इसलिए इस पर विचार नहीं करना चाहिए।

उन्होंने कहा कि यह पक्ष भी ज्ञापन में होगा। कोवरी नदी के पानी की मांग को लेकर तमिलनाडु के जल संसाधन मंत्री दुरईमुरुगन प्रतिनिधिमंडल का प्रतिनिधित्व करेंगे। मुख्यमंत्री ने कर्नाटक पर निराधार दावे करने और तमिलनाडु के पानी के अनुरोध के खिलाफ केंद्र को पत्र लिखने का आरोप लगाया। कर्नाटक सरकार ने बयान जारी कर दावा किया कि तमिलनाडु की पानी की मांग अनुचित है और उसने सिंचाई के तहत आने वाले क्षेत्र का दायरा बढ़ा दिया है।

स्टालिन ने कहा कि 13 सितंबर को कर्नाटक ने शेखावत को पत्र लिखकर कहा था कि पूर्वोत्तर मानसून के दौरान तमिलनाडु को पर्याप्त पानी मिलेगा और राज्य के कावेरी डेल्टा में आवश्यक भूजल है। स्टालिन ने कहा कि कर्नाटक का यह दृष्टिकोण 'त्रुटिपूर्ण' है, इसलिए केंद्र को इस पर विचार नहीं करना चाहिए। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने 13 सितंबर से 15 दिन तक कर्नाटक के कावेरी जलग्रहण क्षेत्रों में सामान्य वर्षा की पूर्वानुमान व्यक्त किया है और कावेरी जल नियामक प्राधिकरण(सीडब्ल्यूआरए) ने वर्षा के इस पूर्वानुमान को सही माना है।

स्टालिन ने कहा कि शेखावत से आग्रह किया जाएगा कि वह सीडब्ल्यूएमए को सलाह दें कि कर्नाटक को तमिलनाडु के लिए 12,500 क्यूसेक पानी छोड़ने का निर्देश जारी किया जाए।

प्रदर्शन

शनिवार को बेंगलूरु के फ्रीडम पार्क में आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और टीडीपी नेता चंद्रबाबू नायडू की गिरफ्तारी के खिलाफ कम्मा यूथ ब्रिगेड के सदस्यों ने विरोध प्रदर्शन किया।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रस्तावित दौरे को लेकर सभास्थल का किया भूमिपूजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर, । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आगामी 25 सितंबर के प्रस्तावित दौरे को लेकर आज दादिया पंचायत सूरजपुरा (वाटिका) में सभास्थल का भूमि पूजन किया गया। इस दौरान केंद्रीय मंत्री एंव प्रदेश चुनाव प्रभारी प्रहलाद जोशी, भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी, जयपुर सांसद रामचरण बोहरा, चुनाव प्रबंधन समिति के संयोजक नारायण पंचारिया, भाजपा प्रदेश महामंत्री भजनलाल शर्मा, बगरू के पूर्व विधायक कैलाश वर्मा, जयपुर जिला प्रमुख रमा चौपडा, जयपुर देहात भाजपा जिलाध्यक्ष राजेश गुर्जर, एसटी मोर्चा प्रदेशाध्यक्ष नारायण मीणा और प्रदेश मीडिया संयोजक प्रमोद वशिष्ठ ने भूमि पूजन कार्यक्रम में भाग लिया।

गौरतलब है कि भाजपा की ओर से चलाई जा रही परिवर्तन संकल्प यात्रा का समापन जयपुर में होना है। यात्रा के समापन पर जयपुर के वाटिका में एक विशाल जनसभा का आयोजन होगा। जिसमें प्रदेशभर से बडी संख्या में जनता जुटेगी। भाजपा की ओर से आज भूमि पूजन के साथ जनसभा को सफल बनाने के लिए तैयारियां शुरू कर दी गई है।

भूमिपूजन कार्यक्रम के दौरान भाजपा प्रदेशााध्यक्ष सीपी जोशी ने जयपुर दक्षिण के सभी मंडल अध्यक्षों एंव उपस्थित कार्यकर्ताओं का दुपट्टा पहनाकर सम्मान किया। सीपी जोशी ने पत्रकारों के सवालों के जवाब में कहा कि भाजपा की परिवर्तन संकल्प यात्रा को प्रदेशभर में जनसमर्थन मिल रहा है। प्रदेश कांग्रेस सरकार के भ्रष्टाचार, महिला दुष्कर्म के बढते मामलों, युवा और किसानों से वादाखिलाफी के चलते जनता में भारी रोष व्याप्त है। यात्रा के दौरान हम प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में पहुंचने का प्रयास कर रहे हैं। आज प्रदेश के गांवो में किसान बिजली कटौती से तंग है। एक तो बारिश कम हो रही है, वहीं सरकार की ओर से लगातार आठ से नौ घंटे बिजली कटौती से फसलें बर्बाद हो गई। सिंचाई के लिए बिजली नहीं मिल पाने से मोठ, मूंग और बाजरे की फसलों में भारी नुकसान हुआ है।

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की प्रस्तावित जनसभा में भाजपा के प्रदेश पदाधिकारियों से लेकर बूथ अध्यक्ष तक के सभी कार्यकर्ता जयपुर पहुंचेंगे। प्रदेश की जनता बड़ी संख्या में अपने लोकप्रिय नेता को सुनने और राजस्थान में परिवर्तन को सुनिश्चित करने पहुंचेगी। प्रदेश की जनता ने मन बना लिया है कि इस मुगलिया सरकार को हमेशा के लिए उखाड़ फेंकना है।

केंद्रीय मंत्री एंव प्रदेश चुनाव प्रभारी प्रहलाद जोशी ने भूमिपूजन कार्यक्रम में कहा कि राजस्थान की जनता ने स्वीकार कर लिया कि जो गलती उनसे 2018 में हुई थी उसे वे कभी नहीं दोहराएंगे।

जनता कभी नहीं चाहती कि प्रदेश की कानून व्यवस्था चौपट हो, महिला दुष्कर्म के मामले बढे, कर्जमाफी का वादा करके किसानों की जमीनें नीलाम हो और पेपर लीक के नाम पर युवाओं का भविष्य बर्बाद हो। आगामी 25 सितंबर को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सभा में प्रदेश के कौने-कौने से आमजन इस महाभ्रष्ट सरकार के ताबूत में आखिरी कील ठोकने जयपुर पहुंचेगा।

राजस्थान पेपर लीक मामला

ईडी ने बाबूलाल कटारा व शेर सिंह मीना को तीन दिन की रिमांड पर लिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने पेपर लीक मामले में राजस्थान लोक सेवा आयोग (आरपीएससी) के निलंबित सदस्य बाबूलाल कटारा और एजेंट शेर सिंह मीना को शुक्रवार को गिरफ्तारी के बाद तीन दिन की रिमांड पर लिया है। कई छापेमारी और करीब दो दर्जन लोगों से पूछताछ के बाद ईडी ने यह कार्रवाई की। ईडी ने दोनों को कोर्ट में पेश किया और पूछताछ के लिए तीन दिन की रिमांड पर लिया।

सूत्रों के मुताबिक, ईडी को वित्तीय लेनदेन से जुड़ी कई जानकारियां मिली हैं, जिससे कई नामी लोग कटघरे में खड़े हो सकते हैं। बीजेपी के राज्यसभा सांसद किरोड़ी लाल मीणा ने पेपर लीक मामले में करोड़ों रुपये की मनी लॉन्ड्रिंग का आरोप लगाते हुए ईडी से शिकायत की थी। इसके बाद ईडी ने एफआईआर दर्ज की और पेपर लीक के आरोपियों के ठिकानों पर छापेमारी की। जब मनी लॉन्ड्रिंग की पुष्टि हुई तो प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (पीएमएलए) के तहत मामला दर्ज किया गया। इसके बाद कटारा, सुरेश बिश्नोई, सुरेश ढाका, भूपेन्द्र सारण और शेर सिंह मीना की करीब 3.11 करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्क की गई। इससे पहले ईडी ने 28 जगहों पर छापेमारी की थी, जिसमें कलाम कोचिंग सेंटर भी शामिल था। बता दें कि कटारा अप्रैल से जेल में हैं। सरकार ने उन्हें सेवा से बर्खास्त करने के लिए राज्यपाल को पत्र भेज दिया है।

सूत्रों के मुताबिक, ईडी आरोपियों से पूछताछ कर रही है कि कितने पेपर लीक हुए और कितने पैसे लिए गए? पेपर लीक में किसकी भूमिका थी? क्या पैसा बांटा गया? क्या किसी स्थानीय नेता ने आरपीएससी सदस्य बनने के लिए करोड़ों रुपये दिये? यह कैसा राजनीतिक गठजोड़ था?

कोटा में नए ग्रीन फील्ड एयरपोर्ट को लेकर फिर राजनीति शुरू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोटा। राजस्थान के कोटा में ग्रीन फील्ड एयरपोर्ट की स्थापना के मामले में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की ओर से दिए गए बयान के बाद फिर राजनीति शुरू हो गई है। राज्य सरकार ने एक ओर जहां कोटा में नए ग्रीन फील्ड एयरपोर्ट की स्थापना के मसले के मसले पर अपने हिस्से की सभी जिम्मेदारी और कागजी कार्यवाई पूरी करने का दावा करते हुए गेंद केन्द्र के पाले में डाल दी है,वहीं भारतीय जनता पार्टी के स्थानीय विधायकों का कहना है कि राज्य सरकार कोटा ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट के लिए नियमों के तहत ही 106 करोड़ रूपये देने से मुकर रही है। भारतीय जनता पार्टी के स्थानीय विधायकों और केन्द्रीय नेताओं की चिंता मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की ओर से दिए गए इस बयान के बाद से ओर भी अधिक बढ़ गई है जिसमें उन्होंने गुरूवार को कोटा में प्रवास के दौरान स्पष्ट रूप से यह जता दिया है कि यदि केंद्र सरकार कोटा में नया ग्रीन फील्ड एयरपोर्ट नहीं बनाना चाहती या इसकी स्थापना में अड़चन पैदा करना ही मकसद है तो राज्य सरकार किशनगढ़ की तरह कोटा में भी अपने स्तर पर एयरपोर्ट का विकास करेगी। मुख्यमंत्री के इस बयान के बाद भारतीय जनता पार्टी के स्थानीय विधायकों और अन्य नेताओं के राज्य सरकार खासकर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत विरोधी बयानों की बौछार सी हो गई है।

कोटा में पहले मंगलवार को विश्व स्तरीय चंबल किनारे विकसित रिवर फ्रंट एवं बुधवार को मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के यहां आयोजित भव्य समारोहों में लोकार्पण के बाद हुए व्यापक प्रचार एवं बढ़ी जनरुचि ने स्थानीय भाजपा नेताओं की चिंता बढ़ा दी है जिसे मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की राज्य सरकार के स्तर पर ही कोटा में नए ग्रीन फील्ड एयरपोर्ट की स्थापना की चेतावनी ने आग में घी की तरह काम किया है क्योंकि पूर्व में राज्य सरकार किशनगढ़ में एयरपॉर्ट विकसित कर सी चिंता को सही साबित कर चुकी है।

कोटा में राज्य के स्तर पर हवाई अड्डा विकसित करने के मुख्यमंत्री के इस बयान के बाद कोटा जिले के तीन भारतीय जनता पार्टी विधायकों ने एक बयान जारी करके अपनी चिंता को यह बात कह कर स्पष्ट रूप से जाहिर भी कर दिया है कि कोटा के नागरिकों को औचित्यहीन चौराहों ,'कॉस्मेटिक विकास' नहीं बल्कि एयरपोर्ट की आवश्यकता थी। वे कहते है कि राजस्थान सरकार ने करोड़ो रुपए खर्च कर अनुचित व अनुपयोगी चौराहे बना दिये गये है लेकिन राज्य सरकार के पास एयरपॉर्ट के लिए 106 करोड रुपए नही है जिसकी मांग केन्द्र कर रहा है। वे आरोप लगा रहे हैं कि राज्य सरकार जानबूझ कर राशि जमा करवाने की जगह विवाद खडा कर रही है। दूसरी ओर कांग्रेस का आरोप है कि अब कोटा में ग्रीन फील्ड एयरपोर्ट के निर्माण के संबंध में बची हुई औपचारिकताएं केंद्रीय स्तर पर ही पूरी की जानी है जो एक सामान्य सी प्रक्रिया है लेकिन चूंकि वर्तमान में राजस्थान में कांग्रेस के नेतृत्व की सरकार है इसलिए भारतीय जनता पार्टी का नेतृत्व ठीक उसी तरह कोटा में नए हवाई अड्डे के निर्माण में बाधाएं उपस्थित कर रहा है जिस तरह से बीते साढे.4 सालों में 13 जिलों की महत्वाकांक्षी पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना के मसले पर की जा रही है जिसे राज्य सरकार पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है लेकिन वायदा करके भी केंद्र सरकार उसे राष्ट्रीय परियोजना घोषित नहीं कर रही है क्योंकि अगर ऐसा होता है तो उसका पूरा श्रेय कांग्रेस सरकार को मिलेगा। ठीक इसी तरह यदि मौजूदा गहलोत सरकार के शासन में रहते कोटा में नए ग्रीन फील्ड एयरपोर्ट का निर्माण शुरू कर दिया गया तो इसका श्रेय राज्य सरकार को ही जाना तय है और भाजपा नेतृत्व इसके पक्ष में कतई नहीं है।

आसाराम पैरोल के लिए दूसरी बार राजस्थान उच्च न्यायालय पहुंचा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोधपुर। आसाराम ने पैरोल के अनुरोध वाली अपनी याचिका के दूसरी बार खारिज होने के बाद राहत के लिए राजस्थान उच्च न्यायालय का रुख किया है। आसाराम के वकील ने शनिवार को यह जानकारी दी। अदालत ने आसाराम की याचिका स्वीकार करते हुए राज्य सरकार को शुक्रवार को एक नोटिस जारी कर दो सप्ताह में जवाब देने को कहा। स्वयंभू बाबा आसाराम को उसके आश्रम में एक किशोरी के यौन उत्पीड़न के मामले में 25 अप्रैल 2018 को दोषी ठहराया गया था, जिसके बाद से वह आजीवन कारावास की सजा काट रहा है।

आसाराम के वकील कालू राम भाटी ने कहा कि जिला पैरोल समिति ने उसकी याचिका को इस आधार पर दूसरी बार खारिज कर दिया कि पैरोल पर उसे रिहा किए जाने से कानून-व्यवस्था संबंधी समस्याएं पैदा हो सकती हैं। भाटी ने बताया, आसाराम ने 20 दिन की पैरोल का अनुरोध करते हुए एक याचिका दायर की थी, लेकिन समिति ने पुलिस की नकारात्मक रिपोर्ट का हवाला देते हुए इसे खारिज कर दिया। अदालत में भाटी ने दलील दी कि आसाराम 11 साल से जेल की सजा काट रहा है और यहां तक कि सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग ने भी उसके लिए पैरोल की सिफारिश की है।

उन्होंने कहा, इसके अलावा, जेल में इस पूरी अवधि के दौरान उसका (आसाराम का) व्यवहार संतोषजनक रहा और वह अपनी वृद्धावस्था एवं स्वास्थ्य कारणों से पैरोल पर रिहाई का हकदार है। अतिरिक्त महाधिवक्ता अनिल जोशी ने अपना जवाब दाखिल करने के लिए कुछ समय मांगा, जिसके बाद न्यायमूर्ति विजय बिश्नोई और न्यायमूर्ति राजेंद्र प्रकाश सोनी की खंडपीठ ने उन्हें दो सप्ताह में जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया। इससे पहले, आसाराम की पैरोल याचिका को समिति ने इस आधार पर खारिज कर दिया था कि वह 'राजस्थान प्रिजनर्स रिलीज ऑन पैरोल नियम', 2021 (2021 के नियम) के प्रावधानों के तहत पैरोल का हकदार नहीं है, जिसके बाद स्वयंभू बाबा ने जुलाई में उच्च न्यायालय का रुख किया था।

आसाराम के वकील ने तब दलील दी थी कि यह नियम उनके मुवक्किल पर लागू नहीं होता, क्योंकि इसके क्रियान्वयन से पहले ही उसे दोषी ठहरा दिया गया था और सजा सुनाई गई थी। तब उच्च न्यायालय ने आसाराम की याचिका का निपटारा करते हुए समिति को 1958 के पुराने नियमों के आलोक में उसकी पैरोल याचिका पर पुनर्विचार करने का निर्देश दिया था।

स्कूल में निर्माणाधीन कमरे की छत गिरने से एक मजदूर की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोटा। राजस्थान में बारां जिले के एक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में शनिवार सुबह मरम्मत कार्य के दौरान कमरे की छत गिरने से एक मजदूर की मौत हो गई जबकि तीन अन्य घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक मृतक मजदूर की पहचान बारां जिले के सीसवाली कस्बे के रहने वाले पप्पूलाल कुम्हार (55) के रूप में हुई है। घायलों में से एक की हालत गंभीर है और उसका अस्पताल में उपचार चल रहा है।

पुलिस ने बताया कि शनिवार सुबह चार मजदूर सीसवाली शहर के एक सरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के क्षतिग्रस्त कमरे की छत की मरम्मत में लगे हुए थे। पुलिस के मुताबिक सुबह करीब 11 बजे मरम्मत कार्य के दौरान पत्थर की स्लैब वाली छत गिर गई, जिससे पप्पूलाल की मौके पर ही मौत हो गई और तीन अन्य घायल हो गए। पुलिस मौके पर पहुंची और जीसीबी मशीन की मदद से चारों मजदूरों को मलबे से बाहर निकाला और स्थानीय अस्पताल पहुंचाया। बचाव अभियान के दौरान वहां मौजूद एक पुलिसकर्मी ने बताया कि चिकित्सकों ने पप्पूलाल को मृत घोषित कर दिया और दूसरे को गंभीर हालत के कारण कोटा के एमबीएस अस्पताल में रेफर कर दिया, जिसकी पहचान गोरधनलाल (55) के रूप में हुई है।

पुलिसकर्मी ने बताया कि मामूली रूप से घायल दो अन्य मजदूरों का सीसवाली अस्पताल में इलाज चल रहा है। उन्होंने बताया कि मृतक का पोस्टमार्टम चल रहा है और इस सिलसिले में मामला अब तक दर्ज नहीं किया गया है।

स्वागत

परिवर्तन संकल्प यात्रा का डीडवाना से मकराना तक के दौरान केन्द्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत का स्वागत करते भाजपा कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी।

कालवाड़ एवं जोबनेर में पशु एम्बुलेंस का शुभारंभ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। झोटवाड़ा विधानसभा क्षेत्र की कालवाड़ पंचायत समिति में आज शनिवार को बहुद्देशीय पशु चिकित्सालय के भवन हेतु भूमि पूजन एवं शिलान्यास , कालवाड़ एवं जोबनेर पशु एम्बुलेंस का शुभारंभ तथा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कालवाड़ के ओपीडी का शुभारंभ सहित अनेक विकास कार्यों के शुभारंभ के लिए कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

पशुपालन मंत्री लालचंद कटारिया एवं चिकित्सा मंत्री परसादीलाल मीना ने जयपुर के कालावाड़ में बहुद्देशीय पशु चिकित्सालय का शिलान्यास किया। कटारिया ने इस अवसर पर विधायक स्थानीय क्षेत्र योजना के अंतर्गत कालावाड़ एवं जोबनेर के लिए दो पशु एंबुलेंस को हरी झंडी दिखाकर निःशुल्क सेवा की शुरूआत की। इस अवसर पर कालावाड़ के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मे ओपीडी का शुभारंभ भी स्वास्थ्य मंत्री ने किया। इसके अलावा जेडीए के सहयोग से आठ सड़कों निर्माण कार्यों का भी शुभारंभ किया गया।

कार्यक्रम में पशुपालन मंत्री लालचंद कटारिया ने कहा राज्य सरकार पशुपालन और पशुपालकों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। पिछले दिनों लंपी से हुई गोवंश की मृत्यु के लिए राज्य सरकार ने पशुपालकों को जो मुआवजा दिया वह देश में एक उदाहरण है। हमने पशुपालकों के लिए बहुत सी योजनाओं की शुरुआत की है। मुख्यमंत्री कामधेनु पशु बीमा योजना देश में अपनी तरह की पहली योजना है। इस योजना के अंतर्गत प्रति पशुपालक दो दुधारु पशुओं का बीमा किया जाएगा और पशु की असमय मृत्यु पर पशुपालक को 40 हजार रुपये का मुआवजा दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश में सरकार ने विभिन्न विकास कार्यक्रमों का शुभारंभ करते हुए स्वास्थ्य के क्षेत्र में आमूलचूल परिवर्तन किया है। प्रदेश के दूरदराज के क्षेत्रों में भी डॉक्टर नर्स की कोई कमी नहीं होने दी ऐसा राजस्थान में पहली बार हुआ है।

इसके लिए स्वास्थ्य मंत्री परसादीलाल बहुत बहुत बधाई के पात्र हैं। उनके कारण आज झोटवाड़ा में तीन सी एच सी हैं। कटारिया ने कहा कि मुख्यमंत्री ने जो फैसले लिए हैं और योजनाएं लागू की हैं उनकी तारीफ देश ही नहीं विदेशों में भी हो रही है।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री परसादीलाल मीना ने कहा कि मुख्यमंत्री से हमने जो भी मांगा उन्होंने दिया। इसी का परिणाम है कि 5 साल में 1750 उप केंद्र और 40 नर्सिंग कॉलेज खोल दिए। 16 मेडिकल कॉलेज एक साथ खोले गये है। चिरंजीवी योजना की शुरुआत की जो आम जनता के लिए किसी वरदान से कम नहीं हैं।

गहलोत हैदराबाद में प्रवासी समुदाय और हितधारकों से करेंगे संवाद

जयपुर। राजस्थान को देश का नम्बर एक राज्य बनाने के लिए संकल्पित मुख्यमंत्री अशोक गहलोत रविवार को हैदराबाद में प्रवासी राजस्थानी समुदाय एवं हितधारकों से संवाद करेंगे। राजस्थान फाउंडेशन द्वारा मिशन-2030 के तहत रविवार शाम सात बजे मैरियट कन्वेंशन सेंटर में संवाद कार्यक्रम होगा। इसमें वैज्ञानिक, चिकित्सक, सामाजिक कार्यकर्ता, उद्योगपति, चार्टर्ड अकाउंटेंट, विद्यार्थी, प्रवासी राजस्थानी सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि सहित विभिन्न क्षेत्रों से विशेषज्ञ और हितधारक अपने सुझाव देंगे।राजस्थान फाउंडेशन के आयुक्त धीरज श्रीवास्तव ने बताया कि राजस्थान की प्रगति की गति को 10 गुना बढ़ाने और अपने सपनों के राजस्थान के लिए राज्य सरकार द्वारा मिशन-2030 की अनूठी शुरूआत की गई है। इसके तहत विजन-2030 डॉक्यूमेंट तैयार किया जाएगा।

भाजपा के राजस्थान चुनाव प्रभारी प्रह्लाद जोशी ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से इस्तीफा मांगा

जयपुर। केंद्रीय मंत्री और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राजस्थान चुनाव प्रभारी प्रह्लाद जोशी ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा राज्य (राजस्थान) लोकसेवा आयोग (आरपीएससी) के निलंबित सदस्य बाबूलाल कटारा की गिरफ्तारी के मद्देनजर शनिवार को मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के इस्तीफे की मांग की। जोशी ने यहां संवाददाताओं से कहा, कल ईडी की छापेमारी में मुख्यमंत्री के एक करीबी को गिरफ्तार किया गया ।... अगर उनमें थोड़ी भी शर्म है तो उन्हें तुरंत अपने पद से इस्तीफा देना चाहिए क्योंकि उन्होंने ही उन्हें राजस्थान लोकसभा आयोग का सदस्य बनाया था। उन्होंने कहा कि गहलोत को मुख्यमंत्री पद पर बने रहने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है।

राज्य में जल जीवन मिशन में भी भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए जोशी ने कहा,राजस्थान भ्रष्टाचार में नंबर वन है। क्या यह अच्छी बात है? विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' पर कटाक्ष करते हुए जोशी ने कहा कि यह समूह हिंदू विरोधी नीति अपना रहा है जिसके लिए जनता उसे सबक सिखाएगी। उन्होंने कहा कि विपक्ष के पास न तो नेता है और न ही नीति, ऐसे में जनता इस गठबंधन को गंभीरता से नहीं लेगी। संसदीय कार्यमंत्री जोशी ने यह भी कहा कि संसद का महत्वपूर्ण सत्र 18 सितंबर से शुरू हो रहा है।

नाम बदलने से विपक्षी गठबंधन की मंशा नहीं बदल सकती : प्रमोद सावंत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रायपुर/भाषा। गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने शनिवार को सनातन धर्म विरोधी टिप्पणियों को लेकर विपक्षी दलों के गठबंधन 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव अलायंस' (इंडिया) पर निशाना साधा।

सावंत ने कहा कि विपक्षी गठबंधन ने अपना नाम भले ही संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) से बदलकर 'इंडिया' कर लिया है, लेकिन उनकी मंशा और नीति नहीं बदल सकती है। रायपुर में भारतीय जनता पार्टी के कार्यालय एकात्म परिसर में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए सावंत ने छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से अपना रुख स्पष्ट करने को कहा कि क्या वह 'इंडिया' के एक घटक दल के नेता की ओर से की गई सनातन धर्म विरोधी टिप्पणियों का समर्थन करते हैं। भ्रष्टाचार के मुद्दे पर बघेल सरकार पर निशाना साधते हुए गोवा के मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले छत्तीसगढ़ को कांग्रेस का 'एटीएम' बनाया गया था और अब पार्टी को कर्नाटक के रूप में दूसरा 'एटीएम' मिल गया है।

घोसी उपचुनाव में हार एक 'एक्सीडेंट'

2024 में सभी 80 सीट जीतेंगे: मौर्य

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता केशव प्रसाद मौर्य ने घोसी विधानसभा उपचुनाव में पार्टी उम्मीदवार की हार को एक 'एक्सीडेंट' बताते हुए कहा है कि इसने हमें 2024 के लिए और अधिक तैयारी करने का संदेश दिया है। उन्होंने कहा, प्रदेश में लोकसभा की सभी सीट जीतने के अति आत्मविश्वास में हम यही सोचते कि सब ठीक चल रहा है, उस लिहाज से हम इसे (चुनाव परिणाम को) अच्छा ही मानते हैं।

'पीटीआई-वीडियो' को दिए एक विशेष साक्षात्कार में मौर्य ने दावा किया कि लोकसभा चुनावों में घोसी में फिर से कमल खिलेगा। उपचुनाव में पार्टी उम्मीदवार दारा सिंह चौहान की हार को उन्होंने पार्टी संगठन में गुटबाजी या प्रदेश सरकार के कामकाज पर टिप्पणी मानने से इनकार किया। मौर्य ने कहा, ये चुनाव एक एक्सीडेंट था जिसको सुधार कर हम 2024 में

परिणाम दिखाएंगे और घोसी में भी कमल का फूल खिलेगा। उन्होंने कहा कि राज्य में भाजपा को सभी 80 सीटें जिताकर उत्तर प्रदेश नरेन्द्र मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने में योगदान देगा। घोसी में इस माह की शुरुआत में विधानसभा सीट के लिए हुए उपचुनाव में समाजवादी पार्टी (सपा) के उम्मीदवार सुधाकर सिंह ने भाजपा के उम्मीदवार दारा सिंह चौहान को 42 हजार से अधिक मतों के अंतर से हराया। दारा सिंह चौहान ने सपा के उम्मीदवार के तौर पर पिछला चुनाव इसी सीट से जीता था। चौहान ने जुलाई, 2023 में भाजपा में वापसी की थी। मौर्य ने कहा, उपचुनाव में संगठन ने पूरा प्रयास किया और सरकार की उपलब्धियों की बात करें तो इतनी हैं कि हम घोसी ही नहीं, पूरे उत्तर प्रदेश में ऐतिहासिक विजय हासिल कर रहे हैं। उन्होंने कहा, हम चुनाव हारे हैं, लेकिन इस हार ने हमें एक तरह से और अच्छी तरह से तैयारी करने की ओर ध्यान दिलाया है। पिछड़ा वर्ग के प्रमुख नेताओं में शुमार मौर्य ने कहा, हम अस्सी सीट जीतने का दावा कर रहे हैं और अति आत्मविश्वास में कहीं यह सोचते कि हमारा सब ठीक चल रहा है उस लिहाज से तैयारी के लिए हम इसे अच्छा ही मानते हैं। उन्होंने कहा, लोकतंत्र में हार जीत में से कोई एक चीज होती है। घोसी चुनाव में हार हुई है, यह हम मानते हैं।

अरुणाचल प्रदेश विधानसभा और आगामी लोकसभा चुनाव लड़ेंगे : जीएसपी

ईटानगर/भाषा। नवगठित गण सुरक्षा पार्टी (जीएसपी) ने ऐलान किया है कि वह अगले साल अरुणाचल प्रदेश विधानसभा और लोकसभा का चुनाव लड़ेगी। पार्टी की प्रवक्ता टोको शीतल ने कहा कि जीएसपी ने अरुणाचल पूर्व और अरुणाचल पश्चिम लोकसभा क्षेत्रों के अलावा विधानसभा की 60 में से 35 सीट पर चुनाव लड़ने का फैसला किया है। प्रवक्ता ने कहा, हमें खुद को स्थापित करने में कुछ समय लग सकता है, लेकिन अब हम चुनावी मैदान में उतरने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। यह चुनाव में हमारी शुरुआत का प्रतीक है, हमारी अपेक्षा 32-33 विधानसभा सीट जीतने की है जो हमें सरकार बनाने में सक्षम बनाएगी। शीतल ने कहा कि उनकी पार्टी राज्य में सालों से व्याप्त अराजकता और भ्रष्टाचार से लड़ेगी। उन्होंने कहा, अब तक जारी भाई-भतीजावाद और भेदभाव की अटूट शृंखला अब टूटनी चाहिए। इसके लिए हमें अटूट प्रतिबद्धता के साथ स्पष्ट दृष्टिकोण अपनाना होगा। उन्होंने लोगों से जीएसपी को एक मौका देने की अपील की।

'सूचना का अधिकार' कानून एक जन आंदोलन बन गया है : मुख्य सूचना आयुक्त यशवर्धन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। मुख्य सूचना आयुक्त (सीआईसी) यशवर्धन कुमार सिन्हा ने 2005 में लागू सूचना का अधिकार (आरटीआई) अधिनियम की तारीफ करते हुए कहा कि यह कानून एक जन आंदोलन बन गया है, क्योंकि इसके तहत बड़ी संख्या में लोग सार्वजनिक हित से जुड़ी जानकारियां मांग रहे हैं और जवाब पा रहे हैं। सिन्हा ने बृहस्पतिवार को यहां आयोजित एक कार्यक्रम से इतर 'पीटीआई-भाषा' से बातचीत में कहा, कोई भी देश इतनी बड़ी संख्या में आवेदन मिलने और इतने बड़े पैमाने पर जवाब दिए जाने का दावा नहीं कर सकता।

वह 'स्टैंडिंग कॉन्फ्रेंस ऑफ पब्लिक इंटरप्राइजेज' (स्कोप) द्वारा आयोजित दो-दिवसीय 'आरटीआई अधिनियम पर राष्ट्रीय बैठक' के उद्घाटन सत्र में हिस्सा लेने के लिए लखनऊ पहुंचे थे। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि भारत का प्रदर्शन बहुत अच्छा है, क्योंकि कोई भी देश इतनी बड़ी संख्या में आवेदन मिलने, इतने बड़े पैमाने पर जवाब दिए जाने का दावा नहीं कर सकता। सिन्हा ने कहा, हम दुनिया की सर्वाधिक आबादी वाले देश हैं, लेकिन केवल जनसंख्या पर्याप्त नहीं है। कई अन्य देश भी हैं, जिनकी आबादी बहुत अधिक है, लेकिन उनके पास यह अधिनियम नहीं है। उन्होंने कहा कि आरटीआई अधिनियम ने अपने कार्यान्वयन के शुरुआती दिनों से लेकर अब तक एक लंबा सफर तय किया है, लेकिन अभी भी कई कमियां मौजूद हैं।

सीआईसी ने कहा, जाहिर है, कुछ खामियां और कमियां हैं, जिन्हें दूर करने की जरूरत है, लेकिन एक प्रक्रिया है, जो पहले से ही चल रही है और उम्मीद है कि समय बीतने तथा अनुभव मिलने के साथ चीजें बेहतर हो जाएंगी।

मोदी दोबारा सत्ता में नहीं आए तो बिहार के सीमांत इलाके घुसपैठियों से भर जाएंगे: शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

झंझारपुर (बिहार)/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को आगाह किया कि यदि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी दोबारा सत्ता में नहीं आए तो सीमांत के निकटवर्ती बिहार के इलाके घुसपैठियों से भर जाएंगे।

शाह ने नेपाल और बांग्लादेश के निकट स्थित झंझारपुर संसदीय क्षेत्र में एक रैली को संबोधित करते हुए बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के अध्यक्ष लालू प्रसाद पर सरकारी स्कूलों की छुट्टियों में कटौती जैसे कदमों के जरिये तुष्टीकरण की राजनीति करने का आरोप लगाया। गृह मंत्री ने अपने लगभग 30 मिनट के संबोधन में कहा, मैं बिहार के लोगों को इसका विरोध करने के लिए बधाई देना चाहता हूं, जिसने राज्य सरकार को अपना उस आदेश वापस लेने के लिए मजबूर किया, जिसके तहत भाई-बहन के त्योहार रक्षाबंधन और जन्माष्टमी की छुट्टियां खत्म कर दी गई थी।

शाह ने अयोध्या में राम मंदिर और जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्जा देने वाले अनुच्छेद 370 पर अपने पैर वापस खींचने के लिए राज्य के सत्तारूढ़ गठबंधन में भागीदार कांग्रेस की आलोचना की। उन्होंने अनुच्छेद 370 को निरस्त करने और अगले साल जनवरी तक मंदिर के निर्माण को संभव बनाने के लिए प्रधानमंत्री मोदी की प्रशंसा की।

ओडिशा सरकार यात्री परिवहन एवं माल ढुलाई के लिए 3000 करोड़ रुपए की योजना शुरू करेगी

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा सरकार ने राज्य भर में यात्रियों और वस्तुओं के सतत, किफायती और सुरक्षित परिवहन सुनिश्चित करने के लिए 3,000 करोड़ रुपए से अधिक की अनुमानित लागत वाली एक योजना शुरू करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। एक मंत्री ने यह जानकारी दी। प्रदेश के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक की अध्यक्षता में कैबिनेट की बैठक में इस संबंध में निर्णय किया गया। इसके साथ ही कैबिनेट की बैठक में 18 अन्य प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। प्रदेश के शिक्षा मंत्री अतनु एस नायक ने कहा कि नई योजना के तहत, सरकार विश्वसनीय और सस्ती सेवाएं प्रदान करने के लिए पूरे ओडिशा में ग्राम पंचायत स्तर से राज्य की राजधानी तक एक निर्बाध सार्वजनिक परिवहन नेटवर्क सुनिश्चित करने में सक्षम हो सकेगी। मंत्री ने कहा, इस योजना के अंतर्गत महिला सशक्तीकरण सर्वोच्च प्राथमिकता में है। सुरक्षित परिवहन स्थान के कारण महिलाओं को कार्यबल में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इससे कृषि जिंसों को उनके उत्पादन स्थलों से बाजारों तक परिवहन के कुशल साधनों की सुविधा भी मिलेगी।

विश्वकर्मा — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

शनिवार को कोलकाता में विश्वकर्मा पूजा से पहले भगवान विश्वकर्मा की मूर्ति ले जाते लोग।

'शूटर दादी' के नाम से मशहूर प्रकाशी तोमर अस्पताल में भर्ती

नोएडा (उप्र)/भाषा। शूटर दादी के नाम से मशहूर प्रकाशी तोमर को सांस लेने में तकलीफ होने के कारण यहां एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सोशल नेटवर्किंग साइट 'एक्स' (पूर्व ट्वीटर) पर शूटर दादी के अकांउट से बीती रात यह जानकारी दी गई। पोस्ट में उत्तर प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री से उन्हें बेहतर उपचार दिलाने का अनुरोध किया गया है। तोमर का उपचार कर रहे मेट्रो हॉस्पिटल के हृदय रोग विशेषज्ञ डॉक्टर कुश ओहरी ने बताया कि उनकी हालात खतरे से बाहर है। अस्पताल प्रशासन ने बताया कि 12 सितंबर को बुखार आने और सांस लेने में दिक्कत होने पर उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था। प्रकाशी तोमर ने 60 साल की उम्र में पिस्तौल थामी थी और दिल्ली में निशानेबाजी के मुकाबले में एक उप महानिरीक्षक को हराकर स्वर्ण पदक जीता था। शूटर दादी को लेकर 'सांड़ की आंख' नाम से एक फिल्म भी बनी है।

शामली में दलित युवक का धर्म परिवर्तन कराने के आरोप में पति-पत्नी गिरफ्तार

मुजफ्फरनगर (उप्र)/भाषा। पड़ोसी शामली जिले में भवन थाना क्षेत्र के मादलपुर गांव में शनिवार को अनुसूचित जाति (दलित) के एक व्यक्ति का कथित तौर पर धर्म परिवर्तन कराकर मुसलमान बनाने के आरोप में पुलिस ने दिल्ली की एक महिला और उसके पति को गिरफ्तार किया है। पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।

शामली के पुलिस अधीक्षक (एसपी) अभिषेक ने बताया कि मादलपुर गांव में एक अनुसूचित जाति (दलित) परिवार के व्यक्ति सूरज को अवैध रूप से इस्लाम धर्म में परिवर्तित कर उसे असद बनाने के आरोप में पुलिस ने आज दो लोगों --शौकीन और उसकी पत्नी कमर बेतून उर्फ माही को गिरफ्तार किया है जो नई दिल्ली के ओखला के रहने वाले हैं।

एसपी ने कहा कि यह दंपति कथित तौर पर सूरज को इस्लाम में धर्मांतरित करने में शामिल था। पुलिस ने दोनों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता और उप्र विधि विरुद्ध धर्म परिवर्तन प्रतिषेध अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। अभिषेक ने कहा, आरोपी गांव के कुछ अन्य लोगों के धर्म परिवर्तन में भी शामिल बताए जा रहे हैं, जिसकी पुलिस टीम जांच कर रही हैं।

'कुलपति की नियुक्ति के मामले में न्यायालय के फैसले का पालन करेंगे'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल सरकार ने राज्य संचालित 13 विश्वविद्यालयों में कुलपतियों की नियुक्ति और चयन के लिए एक खोज समिति (सर्च कमेटी) गठित करने के उच्चतम न्यायालय के फैसले का स्वागत किया है। पश्चिम बंगाल के शिक्षा मंत्री ब्रत्य बसु ने यहां शुक्रवार को संवाददाताओं से कहा कि राज्य सरकार शीर्ष अदालत के फैसले का स्वागत करती है।

मंत्री ने कहा कि सरकार उच्चतम न्यायालय के सभी निर्देशों का पालन करेगी। बसु ने कहा, हमारा हमेशा से यह मानना था कि राज्य सरकार से चर्चा करके हर विश्वविद्यालय में एक खोज समिति गठित की जाए। हम प्रत्येक विश्वविद्यालय में यथाशीघ्र ऐसी समितियां चाहते हैं। मंत्री ने कहा, उच्चतम न्यायालय की टिप्पणी के अनुरूप, हम माननीय न्यायालय के निर्देश पर गठित समिति को स्वीकार करेंगे और इसके कामकाज में सहयोग करेंगे। मंत्री ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, राज्य के अनुरोध पर कुलपति और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) से कोई जवाब नहीं मिलने के बाद उच्चतम न्यायालय ने कुलपति के प्रति नाखुशी जताई थी। उसने बंगाल की शिक्षा प्रणाली पर चिंता जताते हुए कहा कि अंतरिम उपाय लगातार जारी नहीं रह सकते। न्यायालय ने खोज समिति के गठन की जिम्मेदारी खुद पर ली और राज्य सरकार, कुलपति और यूजीसी को हफ्तेभर में तीन से पांच उम्मीदवारों के नाम देने हैं।

शीर्ष अदालत ने शुक्रवार को राज्यपाल, राज्य सरकार और यूजीसी से कहा कि वे अपने-अपने स्तर पर तीन से पांच उम्मीदवारों के नाम 25 सितंबर तक सुझाएं।

नगा समस्या के शीघ्र समाधान के लिए सभी दलों के विधायक एक साथ आए : रियो

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोहिमा/भाषा। नगालैंड के मुख्यमंत्री नेफ्यू रियो ने शनिवार को कहा कि विधानसभा में सभी राजनीतिक दलों के विधायकों का एक साथ आना नगा शांति वार्ता के शीघ्र समाधान के लिए दबाव डालना है। फरवरी में विधानसभा चुनाव जीतने के बाद सत्तारूढ़ नेशनलिस्ट डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव पार्टी (एनडीपीपी) की पहली आम सभा को संबोधित करते हुए रियो ने कहा कि यह पार्टी का सर्वोच्च एजेंडा है। नगालैंड में विपक्ष-रहित सरकार बनाने के लिए 2021 में सभी दलों ने हाथ मिलाया था। विधानसभा चुनाव के बाद मार्च 2023 में ऐसा दूसरी बार किया गया।

रियो ने यहां कहा, हम सिर्फ नेतृत्व की वजह से नहीं बल्कि मुद्दे की वजह से भी साथ आए हैं। हम शीघ्र समाधान खोजने की दिशा में काम करना जारी रखेंगे। उन्होंने कहा, एक पार्टी के रूप में एनडीपीपी केवल छह साल पुरानी है, लेकिन हमने गठबंधन सहयोगी (भाजपा) के समर्थन से लगातार दो बार राज्य के आम चुनाव जीते हैं। अन्य सभी राजनीतिक दल विपक्ष-विहीन सरकार के लिए आगे आए। मुख्यमंत्री ने कहा कि नगालैंड के पास अपने संसाधन बहुत कम हैं और राज्य सरकार को केंद्र के समर्थन की जरूरत है। भले ही केंद्र के साथ गठबंधन हो, राज्य सरकार का ध्यान नगाओं पर केंद्रित है और यही कारण है कि लोग एनडीपीपी का समर्थन कर रहे हैं। उन्होंने सामूहिक सफलता के लिए धन्यवाद देते हुए कहा, हमने जो कुछ भी हासिल किया है, वह पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं के समर्पण और प्रतिबद्धता से है।

विश्व कप से पहले भारत के खिलाफ शृंखला में ऑस्ट्रेलिया जीत का दावेदार: रैना

मुंबई/भाषा। पूर्व बल्लेबाज सुरेश रैना का मानना है कि विश्व कप से पहले भारत के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय शृंखला में ऑस्ट्रेलिया का दबदबा रहेगा क्योंकि उनकी बल्लेबाजी में लचीलापन है और इस टीम के खिलाड़ियों को भारतीय परिस्थितियों की अच्छी समझ है। भारत रविवार को एशिया कप फाइनल में मेजबान श्रीलंका से भिड़ेगा। टीम इसके बाद विश्वकप में अपने अभियान को शुरू करने से पहले ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की घरेलू एकदिवसीय शृंखला में भाग लेगी। इस शृंखला का आगाज मोहाली में 22 सितंबर को होगा। इसके बाद इंदौर (24 सितंबर) और राजकोट (27 सितंबर) में मैच खेले जाएंगे। दोनों टीमें आठ अक्टूबर को चेन्नई में विश्व कप में एक-दूसरे का आमना सामना करेंगी। रैना ने 'जियो सिनेमा' से कहा, उनके (ऑस्ट्रेलिया) पास बल्लेबाजी क्रम में दाएं और बाएं हाथ का अच्छा संयोजन है। इंदौर का मैदान बहुत छोटा है, और राजकोट की पिच सपाट है। इसके अलावा, ऑस्ट्रेलिया ने मोहाली में काफी खेले हैं और इसलिए मेरा मानना है कि उनके पास जीत दर्ज करने का ज्यादा मौका होगा। रैना ने कहा, इन छोटे मैदानों में 340-350 रन के लक्ष्य को भी पीछा करने में ज्यादा परेशानी नहीं होगी। किसी भी लक्ष्य के बचाव के लिए भारतीय टीम को काफी मजबूत गेंदबाजी इकाई को मैदान में उतारना होगा।

धीमी पिचों पर बल्लेबाजी सुधारने की कोशिश कर रहे हैं : गिल

कोलंबो/भाषा। शतकवीर शुभमन गिल को छोड़कर सभी भारतीय बल्लेबाज एशिया कप सुपर फोर मैच में धीमी पिच पर बांग्लादेश के स्पिनरों के खिलाफ जूझते नजर आए लेकिन इस सलामी बल्लेबाज ने कहा कि वे ऐसी पिचों पर महारत हासिल करने के लिए अपने बल्लेबाजी कौशल पर काम कर रहे हैं। भारत को इस मैच में छह रन से हार का सामना करना पड़ा। अब टीम रविवार को श्रीलंका के खिलाफ एशिया कप फाइनल खेलेगी। गिल ने कहा कि विश्व कप और एशिया कप फाइनल को देखते हुए इस पहलू पर ध्यान लगाना महत्वपूर्ण है। भारतीय टीम गिल के शतक के बावजूद 265 रन के लक्ष्य को हासिल करने में असफल रही।

हार्दिक के कारण टीम को संतुलन मिलता है, विश्व कप में निभाएंगे अहम भूमिका: बांगड़

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलंबो/भाषा। हार्दिक पंड्या ने पिछले कुछ वर्षों में खुद को अदद ऑलराउंडर साबित किया है और भारतीय टीम के पूर्व बल्लेबाजी कोच संजय बांगड़ का मानना है कि बड़ौदा के इस क्रिकेटर की उपस्थिति से टीम को काफी संतुलन मिलता है और विश्वकप में उनकी भूमिका बेहद महत्वपूर्ण होगी। हार्दिक को बांग्लादेश के खिलाफ सुपर फोर मैच में विश्राम दिया गया था लेकिन वह श्रीलंका के खिलाफ रविवार को होने वाले फाइनल में वापसी करेंगे।

बांगड़ ने पीटीआई से कहा, वह पिछले कुछ वर्षों में काफी परिपक्व हुआ है। पहले फिटनेस के कारण उसे कुछ परेशानियां हुई थी लेकिन आज वह जिस मुकाम पर है वहां पहुंचने के लिए उसने कड़ी मेहनत की। वह अब अपनी जिम्मेदारी बहुत अच्छी तरह से निभा रहा है और भारत की टी20 टीम का कप्तान है। एक ऑलराउंडर होने के कारण वह टीम को काफी संतुलन प्रदान करता है।

हार्दिक विश्व कप में जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज के साथ तीसरे तेज गेंदबाज की भूमिका भी निभाएंगे और बांगड़ का मानना है कि इससे भारतीय गेंदबाजी आक्रमण संपूर्ण नजर आता है। उन्होंने कहा, विश्वकप के लिए हमारे पास सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी आक्रमण है। हमारे पास बुमराह और सिराज के रूप में नई गेंद के दो शानदार गेंदबाज हैं और इसके अलावा अनुभवी मोहम्मद शमी टीम में है। विकेट लेने के विकल्प के रूप में हमारे पास कुलदीप यादव है। बांगड़ ने कहा, रविंद्र जडेजा टीम में है। जैसा कि मैंने पहले कहा हार्दिक की उपस्थिति से भारत को कई विकल्प मिल जाते हैं। मेरा मानना है कि भारत के पास विश्वकप के लिए संपूर्ण गेंदबाजी आक्रमण है।

'आप' के जीतने पर लागू होगा 'पैसा' कानून: केजरीवाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रायपुर/भाषा। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने शनिवार को वादा किया कि यदि उनकी पार्टी राज्य में सत्ता में आती है तो वह छत्तीसगढ़ के आदिवासी बहुल इलाकों में 'पेसा' पंचायत (अनुसूचित क्षेत्रों तक विस्तार) अधिनियम लागू करेगी।

दिल्ली के मुख्यमंत्री केजरीवाल ने भाजपा पर निशाना साधा और कहा कि जिस समय अनंतनाग में सेना के तीन अधिकारियों की शहादत की दुखद खबर आ रही थी उस समय दिल्ली में भाजपा के मुख्यालय में जश्न मनाया जा रहा था। बस्तर जिले के मुख्यालय जगदलपुर में एक सार्वजनिक रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने इंडिया-भारत नामकरण विवाद और 'एक राष्ट्र और एक चुनाव' को लेकर भी भाजपा पर हमला बोला। केजरीवाल ने कहा

'हम गारंटी देते हैं कि यदि 'आप' राज्य में सत्ता में आती है तब आदिवासियों के हित में और उनके 'जल, जंगल, जमीन' की रक्षा के लिए सरकार बनने के एक महीने के भीतर पेसा कानून लागू किया जाएगा और ग्राम सभा को सभी अधिकार दिए जाएंगे।

अरविंद केजरीवाल ने पिछले महीने रायपुर में नौ वादों के विवरण वाला 'गारंटी कार्ड' जारी किया था और कहा था कि दसवीं गारंटी किसानों और आदिवासियों के बारे में है लेकिन वह अपनी अगली यात्रा के दौरान इसका खुलासा करेंगे। तब उन्होंने पेसा कानून लागू करने के संबंध में कोई घोषणा नहीं थी।

सुविचार

अगर आप सूरज की तरह
चमकना चाहते हो ! तो
पहले सूरज की तरह जलो।

ट्वीट

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विश्वकर्मा योजना के माध्यम से हमारे शिल्पकार और कारीगर भाइयों के लिए जो सोचा है, ऐसा आज तक किसी ने नहीं किया है। इस योजना का उद्देश्य हमारे कारीगरों और श्रमिकों को वित्तीय सहायता, प्रशिक्षण और कल्याण सहायता देकर सशक्त बनाना है।

-प्रह्लाद जोशी

श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी के प्रकाशोत्सव पर्व की देशवासियों विशेषत: सिख भाइयोंबहनों को हार्दिक शुभकामनाएं। श्री गुरु ग्रंथ साहिब हमें सेवा, सर्वधर्म सद्भाव, समर्पण, त्याग और कल्याण का मार्ग दिखाते हैं। आइए, इस पवित्र ग्रंथ को नमन करते हुए इसमें बताए आदर्शों को जीवन का भाग बनाएं।

-ओम बिरला

विशेष

ब्रह्मांड के पहले इंजीनियर थे भगवान विश्वकर्मा

रमेश सर्राफ धमोरा
मोबाइल : 9414255034

विश्वकर्मा शिल्पशास्त्र के आविष्कारक और सर्वश्रेठ ज्ञाता माने जाते हैं। जिन्होने विश्व के प्राचीनतम तकनीकी ग्रंथों की रचना की थी। इन ग्रंथों में न केवल भवन वास्तु विद्या, रथ आदि वाहनों के निर्माण बल्कि विभिन्न रत्नों के प्रभाव व उपयोग आदि का भी विवरण है। माना जाता है कि उन्होनें ही देवताओं के विमानों की रचना की थी। भगवान विश्वकर्मा की उत्पत्ति ऋग्वेद में हुई है। जिसमें उन्हें ब्रह्मांड (पृथ्वी और स्वर्ग) के निर्माता के रूप में वर्णित किया गया है। भगवान विष्णु और शिव लिंगम की नाभि से उत्पन्न भगवान ब्रह्मा की अवधारणाएं विश्वकर्मण सूक्त पर आधारित हैं। हर वर्ष 17 सितम्बर को विश्वकर्मा जयंती मनायी जाती है। यह कन्या संक्रांति पर पड़ता है। यह वह दिन है जब सूर्य सिंह राशि से कन्या राशि में प्रवेश करता है। इस दिन का औद्योगिक जगत और भारतीय कलाकारों, मजदूरो, इंजीनियर्स आदि के लिए खास महत्व है। विश्वकर्मा जयन्ती भारत के जम्मू कश्मीर, पंजाब, हिमाचल, हरयाणा, दिल्ली, राजस्थान, मध्य प्रदेश, राजस्थान, उत्तराखंड, पश्चिम बंगाल, असम, ओडिशा, त्रिपुरा, बिहार और झारखंड जैसे राज्यों में मनायी जाती है। नेपाल में भी विश्वकर्मा पूजा को बड़े उत्साह के साथ मनाया जाता है। विश्वकर्मा के पूजन और उनके बताये वास्तुशास्त्र के नियमों का अनुपालन कर बनवाये गये मकान और दुकान शुभ फल देने वाले माने जाते हैं। इनमें कोई वास्तु दोष नहीं माना जाता।

विश्वकर्मा पूजा एक ऐसा त्योहार है जहां शिल्पकार, कारीगर, श्रमिक भगवान विश्वकर्मा का त्योंहार मनाते हैं। कहा जाता है कि हिंदू भगवान ब्रह्मा के पुत्र विश्वकर्मा ने पूरे ब्रह्मांड का निर्माण किया था। विश्वकर्मा को देवताओं के महलों का वास्तुकार भी कहा जाता है। इसलिए भगवान विश्वकर्मा को दुनिया का सबसे पहला इंजीनियर और वास्तुकार माना जाता है। विश्वकर्मा दो शब्दों से विश्व (संसार या ब्रह्मांड) और कर्म (निर्माता) से मिलकर बना है। इसलिए विश्वकर्मा शब्द का अर्थ है। दुनिया का निर्माता यानि की दुनिया का निर्माण करने वाला। औद्योगिक श्रमिकों द्वारा इस दिन बेहतर भविष्य, सुरक्षित कामकाजी

परिस्थितियों और अपने-अपने क्षेत्र में सफलता के लिए प्रार्थना की जाती हैं। विश्वकर्मा जयन्ती के दिन देश के कई हिस्सों में काम बंद रखा जाता है और खूब पंतगबाजी की जाती है। विभिन्न प्रदेशों की सरकार विश्वकर्मा जयन्ती पर अपने कर्मचारियों को सावेतनिक अवकाश प्रदान करती है।

यह त्योहार मुख्य रूप से दुकानों, कारखानों और उद्योगों द्वारा मनाया जाता है। इस अवसर पर, कारखानों और औद्योगिक क्षेत्रों के श्रमिक अपने औजारों की पूजा करते हैं और भगवान विश्वकर्मा से उनकी आजीविका सुरक्षित रखने के लिए प्रार्थना करते हैं। वे मशीनों के सुचारू संचालन के लिए प्रार्थना करते हैं और विश्वकर्मा पूजा के दिन अपने उपकरणों का उपयोग करने से परहेज करते हैं। विश्वकर्मा प्रकाश को वास्तु तंत्र का अपूर्व ग्रंथ माना जाता है। इसमें अनुपम वास्तु विद्या को गणितीय सूत्रों के आधार पर प्रमाणित किया गया है। ऐसा माना जाता है कि सभी पौराणिक संरचनाए भगवान विश्वकर्मा द्वारा निर्मित हैं। भगवान विश्वाकर्मा के जन्म को देवताओं और राक्षसों के बीच हुए समुद्र मंथन से माना जाता है। पौराणिक युग के अस्त्र और शस्त्र भगवान विश्वकर्मा द्वारा ही निर्मित हैं।

धर्मग्रंथों में विश्वकर्मा को सृष्टि के रचयिता ब्रह्माजी का वंशज माना गया है। ब्रह्माजी के पुत्र धर्म तथा धर्म के पुत्र वास्तुदेव थे। जिन्हें शिल्प शास्त्र का आदि पुरुष माना जाता है। इन्हीं वास्तुदेव की अंगिरसी नामक पत्नी से विश्वकर्मा का जन्म हुआ। अपने पिता के पदचिन्हों पर चलते हुए विश्वकर्मा भी वास्तुकला के महान आचार्य बने। मनु, मय, त्वष्टा, शिल्पी और देवज्ञ इनके पुत्र हैं। इन पांचों पुत्रों को वास्तु शिल्प की अलग-अलग विधाओं में विशेषज्ञ माना जाता है। पौराणिक साक्ष्यों के मुताबिक स्वर्गलोक की इन्द्रपुरी, यमपुरी, वरुणपुरी, कुबेरपुरी, असुरराज रावण की स्वर्ण नगरी लंका, भगवान श्रीकृष्ण की समुद्र नगरी द्वारिका और पांडवों की राजधानी हस्तिनापुर के निर्माण का श्रेय भी विश्वकर्मा को ही जाता है। पौराणिक कथाओं में इन उत्कृष्ट नगरियों के निर्माण के रोचक विवरण मिलते हैं। उड़ीसा का विश्व प्रसिद्ध जगन्नाथ मंदिर तो विश्वकर्मा के शिल्प कौशल का अप्रतिम उदाहरण माना जाता है। विष्णु पुराण में उल्लेख है कि जगन्नाथ मंदिर की अनुपम शिल्प रचना से खुश होकर भगवान विष्णु ने उन्हे शिल्पावतार के रूप में सम्मानित किया था।

विश्वकर्मा वैदिक देवता के रूप में सर्वमान्य हैं। इनको गृहस्थ आश्रम के लिए आवश्यक सुविधाओं का निर्माता और प्रवर्तक भी कहा गया है। अपने विशिष्ट ज्ञान-विज्ञान के कारण देव शिल्पी विश्वकर्मा मानव समुदाय ही नहीं वरन देवगणों द्वारा भी पूजित हैं। देवता, नर, असुर, यक्ष और गंधर्व सभी में उनके प्रति सम्मान का भाव है। भगवान विश्वकर्मा के पूजन- अर्चन किये बिना कोई भी तकनीकी कार्य शुभ नहीं माना जाता। इसी कारण विभिन्न कार्यो में प्रयुक्त होने वाले औजारों, कल-कारखानों और विभिन्न उद्योगों में लगी मशीनों का पूजन विश्वकर्मा जयंती पर किया जाता है।

विष्णु को चक्र, शिव को त्रिशूल, इंद्र को वज्र, हनुमान को गदा और कुबेर को पुष्पक विमान विश्वकर्मा ने ही प्रदान किये थे। सीता स्वयंवर में जिस धनुष को श्रीराम ने तोड़ा था वह भी विश्वकर्मा के हाथों बना था। जिस रथ पर निर्भर रह कर श्रेष्ठ धनुर्धर अर्जुन संसार को भस्म करने की शक्ति रखते थे उसके निर्माता विश्वकर्मा ही थे। पार्वती के विवाह के लिए जो मण्डप और वेदी बनाई गई थी वह भी विश्वकर्मा ने ही तैयार की थी। माना जाता है कि विश्वकर्मा ने ही लंका का निर्माण किया था। इसके पीछे कहानी है कि शिव ने माता पार्वती के लिए एक महल का निर्माण करने के लिए भगवान विश्वकर्मा को कहा तो विश्वकर्मा ने सोने का महल बना दिया। इस महल के पूजन के दौरान भगवान शिव ने राजा रावण को आंमत्रित किया। रावण महल को देखकर मंत्रमुग्ध हो गया और जब भगवान शिव ने उससे दक्षिणा में कुछ देने को कहा तथा उसने महल ही मांग लिया। भगवान शिव ने उसे महल देकर वापस पर्वतों पर चले गए। विश्वकर्मा ने देवताओं के लिए उड़ने वाले रथों का निर्माण किया था। विश्वकर्मा ने देवताओं के राजा इंद्र का हथियार वज्र का निर्माण किया था। वज्र को ऋषि दधीचि और अज्ञेयस्त्र की हड्डियों से बनाया गया है। भगवान कृष्ण का सुदर्शन चक्र उनकी शक्तिशाली रचनाओं में से एक था।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस स्वतंत्रता दिवस के मौके पर कामगारों के लिए बड़ा ऐलान किया है। उन्होंने कहा कि विश्वकर्मा जयंती पर देश में एक नई योजना विश्वकर्मा योजना' को लॉन्च किया जाएगा। इस योजना के तहत देश में फर्नीचर या लकड़ी का काम करने वाले, सैलून चलाने वाले, जूते बनाने वाले और मकान बनाने वाले कामगारों को आर्थिक मदद मुहैया कराई जाएगी। उन्होंने कहा विश्वकर्मा जयंती पर सरकार 13 से 15 हजार करोड़ रुपये की एक योजना को लॉन्च करेंगी। इस तरह उन लोगों की सहायता हो सकेगी जो परांपरिक तरीके के कौशल से अपनी जीवका चलाते है। ये अपना भरणपोषण औजारों और हाथ से काम करके करते है। उन्होंने कहा कि इनमें सुनार हों, राजमिस्त्री हों, कपड़े धोने वाले हों या बाल काटने वाले के परिवार हों। ऐसे लोगों को इस योजना से आर्थिक ताकत प्रदान की जा सकेगी।

संजय उवाच

संजय भारद्वाज
9890122603
writersanjay@gmail.com

उड़ जाएगा हंस अकेला..!

आनंदलोक में विचरण कर रहा हूँ। पंडित कुमार गंधर्व का सारस्वत कंठ हो और दार्शनिक संत कबीर का शारदीय दर्शन तो इहलोक, आनंदलोक में परिवर्तित हो जाता है। बाबा कबीर के शब्द चैतन्य बनकर पंडित जी के स्वर में प्रवाहित हो रहे हैं,

उड़ जाएगा हंस अकेला
जग दर्शन का मेला...!

आनंद, चिंतन को पुकारता है। चिंतन की अंगुली पकड़कर विचार हौले-हौले चलने लगता है। यह यात्रा कहती है कि 'मेल' शब्द से बना है 'मेला।' मिलाप का साकार रूप है मेला। दर्शन जगत को मेला कहता है क्योंकि मेले में व्यक्ति थोड़े समय के लिए साथ आता है, मिलाप का आनंद ग्रहण करता है, फिर लौट जाता है अपने निवास। लौटना ही पड़ता है क्योंकि मेला किसीका निवास नहीं हो सकता। गंतव्य के अलावा कोई विकल्प नहीं।

विचार अब चलना सीख चुका। उसका यौवनकाल है। उसकी गति अमाप है। पलक झपकते जिज्ञासा के द्वार पर आ पहुँचा है। जिज्ञासा पूछती है कि महात्मा कबीर ने 'हंस' शब्द का ही उपयोग क्यों किया? वे किसी भी पखेरू के नाम का उपयोग कर सकते थे फिर हंस ही क्यों? चिंतन, मनन समयबद्ध प्रक्रिया नहीं हैं। मनीषी अविरत चिंतन में डूबे होते हैं। समष्टि के हित का भाव ऐसा, सात्विकता ऐसी कि वे मुमुक्षा से भी ऊपर उठ जाते हैं। फलत: जो कुछ वे कहते हैं, वही विचार बन जाता है। अपने शब्दों की बुनावट से उपरोक्त रचना में द्रष्टा कबीर एक अद्वितीय विचार दे जाते हैं।

विचार कीजिएगा कि हंस सामान्य पक्षियों में नहीं है। हंस श्वेत है, शांत वृत्ति का है। वह सुंदर काया का स्वामी है। आत्मा भी ऐसी ही है, सुंदर, श्वेत, शांत, निर्विकार। हंस गहरे पानी में तैरता है तो हज़ारों फीट ऊँची उड़ान भी भरता है। आकाशमार्ग की यात्रा हो अथवा वैतरणी पार करनी हो, उड़ना और तैरना दोनों में कुशलता वांछनीय है।

हंस पवित्रता का प्रतीक है। शास्त्रों में हंस की हत्या, पिता, गुरु या देवता की हत्या के तुल्य मानी गई है।

हंस विवेकी है। लोकमान्यता है कि दूध में जल मिलाकर हंस के सामने रखा जाए तो वह दूध और जल का पृथक्करण कर लेता है। संभवत: 'दूध का दूध और पानी का पानी' मुहावरा इसी संदर्भ में अस्तित्व में आया। हंस के नीर-क्षीर विवेक का भावार्थ है कि स्वार्थ, सुविधा या लाभ की दृष्टि से नहीं अपितु अपनी बुद्धि, मेधा, विचारशक्ति के माध्यम से उचित, अनुचित को समझना। मनुष्य जब भी कुछ अनुचित करना चाहता है तो उसे चेताने के लिए उसके भीतर से ही एक स्वर उठता है। यह स्वर नीर-क्षीर विवेक का है, यह स्वर हंस का है। हंस को माँ सरस्वती के वाहन के रूप में मिली मान्यता अकारण नहीं है।

कारणमीमांसा से उपजे अर्थ का कुछ और विस्तार करते हैं। दिखने में हंस और बगुला दोनों श्वेत हैं। मनुष्य योनि हंस होने की संभावना है। विडंबना है कि इस संभावना को हमने गौण कर दिया है। हम में से अधिकांश बगुला भगत बने जीवन बिता रहे हैं। जीवन के हर क्षेत्र में बगुला भगतों की भरमार है। हंस होने की संभावना रखते हुए भी भी बगुले जैसा जीना, जीवन की शोकांतिका है।

मनुष्य को बुद्धि का वरदान मिला है। इस वरदान के चलते ही वह नीर-क्षीर विवेक का स्वामी है। विवेक होते हुए भी अपनी सुविधा के चलते ढुलमुल मत रहो। स्पष्ट रहो। सत्य-असत्य के पृथक्करण का साहस रखो। यह साहस तुम्हें अपने भीतर पनपते बगुले से मुक्ति दिलाएगा, तुम्हारा हंसत्व निखरता जाएगा। जगद्गुरु स्वामी रामभद्राचार्य जी कहते हैं कि महर्षि वेदव्यास जब महाभारत का वर्णन करते हैं तो पांडवों का उदात्त चरित्र उभरता है। इसका अर्थ यह नहीं कि वे पांडवों के प्रवक्ता हैं। सनद रहे कि महर्षि वेदव्यास सत्य के प्रवक्ता हैं।

अपनी एक कविता स्मृति में कौंध रही है,

मेरे भीतर फुफकारता है
काला एक नाग,
चोरी छिपे जिसे रोज़ दूध पिलाता हूँ,
ओढ़कर चोला राजहंस का
फिर मैं सार्वजनिक हो जाता हूँ...!

दिखावटी चोले के लिए नहीं अपितु उजला जीवन जिओ अपने भीतर के हंस के लिए। स्मरण रहे, वह समय भी आएगा जब हंस को उड़ना होगा सदा-सर्वदा के लिए। इस जन्म की अंतिम उड़ान से पहले अपने हंस होने को सिद्ध कर सको तो जन्म सफल है।

पयुर्षण

समस्त जीवों से क्षमायाचना का पर्व है संवत्सरी

डॉ. वीरेन्द्र भाटी मंगल
मोबाइल-9413179329

पयुर्षण का अंतिम दिवस संवत्सरी या क्षमावाणी दिवस के रूप में मनाया जाता है। संवत्सरी शब्द संस्कृत से बना है जिसका अर्थ है वार्षिक दिवस या क्षमा दिवस। यह विशिष्ट दिन दुनिया भर में क्षमा दिवस के रूप में भी जाना जाता है। इस पर्व की महानता केवल जैन धर्म में ही नहीं बल्कि सभी लोग स्वीकार करते है। जैन परम्परानुसार पर्यूषण चातुर्मासीय साधना का विशिष्ट पर्व है। पर्युषण पर्व भाद्रपद मास में श्वेतांबर और दिगंबर समाज द्वारा मनाया जाता हैं। श्वेतांबर के व्रत समाप्त होने के बाद दिगंबर समाज के व्रत प्रारंभ होते हैं। श्वेतांबर समाज 8 दिन तो दिगंबर समाज 10 दिन तक इस पर्व के दौरान व्रत रखते हैं और व्रत रखकर हर प्रकार के ताप व पाप मिटाए जाते हैं।

पर्यूषण यानी आत्मा के नजदीक निवास करना। पयुर्षण का अभिप्राय है कि स्वयं को आध्यात्मिकता से जोड़कर साधना के पथ पर आगे बढना। यह पर्व स्वयं में बदलाव लाने की ओर प्रेरित करता है। आत्मा का चितन और परिष्कार जितना सरल प्रतीत होता है, उतना है नहीं। सही मायने में यह एक कठिन तप की साधना है। वर्तमान युग की प्रतिस्पर्धा में जीवन वैमनस्यों से भरा हुआ है। ऐसे में पर्युषण पर्व की विशेषता महान है। पर्यूषण पर्व जीवन की स्वाभाविकता की ओर हमें अग्रसर करता है। इस दिन भगवान महावीर की देशना को आत्मसात करने का प्रयत्न करना ही साधना का अंग है। जैन धर्म में क्षमापना पर्व को संवत्सरी पर्व के रूप में भी मनाया जाता है। आध्यात्मिक दृष्टि से यह दुनिया का एक आलौकिक व विशिष्टता धारक पर्व है, इस पर्व में तप, त्याग, स्वाध्याय व विभिन्न अनुष्ठानों का विशेष महत्व है। भगवान महावीर के सिद्धांतों को ध्यान में रखकर पर्युषण के दिनों में आत्मसाधना में लीन होकर धर्म के बताए रास्ते पर चलने का संकल्प ग्रहण करना ही साधना का अंग है।

पर्युषण पर्व भगवान महावीर के मुख्य सिद्धांत अहिंसा परमो धर्म, जिओ और जीने दो की राह पर चलना सिखाता है। मान्यता है कि इस पर्व की साधना से मोक्ष प्राप्ति के द्वार खुलते है। यानी आत्मा के द्वारा आत्मा को देखो, यह इस पर्व का ध्येय है। पर्युषण पर्व के अंतिम दिन पर मैत्री दिवस अर्थात संवत्सरी पर्व मनाया जाता है। दिगंबर समाज में उत्तम क्षमा पर्व तो श्वेतांबर समाज में मिच्छामि दुक्कड़म का उच्चारण करते हुए लोगों से क्षमा मांगते हैं व क्षमा प्रदान करते है। इससे सभी विकारों का नाश होकर मन पवित्र व निर्मल हो जाता है, और सभी के प्रति मित्रता का भाव पनपता है। पर्युषण पर्व जैनों का सर्वाधिक महत्वपूर्ण पर्व है। यह पर्व बुरे कर्मों का नाश करके हमें सत्य और अहिंसा के मार्ग पर चलने की प्रेरणा प्रदान करता है। इस पर्व के दौरान साधु व श्रावक दोनों के लिए ही नियम बताये गये है। इस दौरान साधुओं के लिए संवत्सरी, प्रतिक्रमण, केशलोचन, तपश्चर्या, आलोचना और क्षमा-याचना यह व्रत बताये गये है।

वहीं गृहस्थी व्यक्ति के लिए जैन शास्त्रों में श्रवण, तप, अभयदान, सुपात्र को दान, ब्रह्मचर्य का पालन, आरंभ स्मारक का त्याग, संघ की सेवा और क्षमा-याचना आदि कर्तव्य बताये गये है। पर्युषण पर्व के दौरान व्रत व निमय के माध्यम से शारीरिक, मानसिक व वाचिक तप में स्वयं को पूरी तरह समर्पित करने का भाव ही तप की श्रेणी में आता है। इस दिन साधु-साध्वी व श्रावक-श्राविकाएं अधिक से अधिक धर्म-ध्यान और त्याग व तपस्या करते हुए एक-दूसरे से क्षमायाचना हैं और दूसरों को क्षमा करते हुए मैत्रीभाव की ओर कदम बढ़ाते हैं। संवत्सरी महापर्व के दौरान बिना कुछ खाए और पिये निर्जला व्रत रखने का भी विधान है। सात दिन त्याग, तपस्या, शास्त्र श्रवण व धर्म-आराधना के साथ मनाने के बाद आठवें दिन को संवत्सरी महापर्व के तौर पर मनाया जाता है।

इसी प्रकार दिगम्बर जैन समाज द्वारा दसलक्षण पर्व के रूप में यह पर्व मनाया जाता है। इन दस दिनों के दौरान व्यक्ति क्रोध पर काबू रखना एवं क्रोध को विन्रमता के भाव से जीतने का संकल्प रहता है। इसी प्रकार व्यक्ति जो सोच लेतें है उस पर अमल करके उसे सफल अंजाम देना आवश्यक है, यानी जो कहा है उसे पूर्ण करना जरूरी है। इसके अलावा कम बोलें, लेकिन अच्छा बोलें, सच बोलें। पर्व के दौरान मन में किसी भी तरह का लालच नहीं रख सकते, किसी तरह का स्वार्थ मन में नहीं होना चाहिए। इसी प्रकार दिन भर मन पर काबू रखते हुए संयम से काम लेना जरूरी होता है।

मलीन वृत्तियों को दूर करने के लिए जो बल चाहिए, उसके लिए तपस्या करना। पात्र को ज्ञान, अभय, आहार, औषधि आदि सद्वस्तु देने के साथ ही किसी भी वस्तु आदि के लिए मन में कोई स्वार्थ आदि न रखना होता है। सही मायने में जीवन में सद्गुणों का अभ्यास करना और अपने जीवन को पवित्र रखना ही इस महापर्व की विशिष्टता है।

बोध कथा

भूखी चिड़िया

सालों पहले एक घंटाघर में टींकू चिड़िया अपने माता-पिता और 5 भाइयों के साथ रहती थी। टींकू चिड़िया छोटी सी थी। उसके पंख मुलायम थे। उसकी मां ने उसे घंटाघर की ताल पर चहकना सिखाया था। घंटाघर के पास ही एक घर था, जिसमें पक्षियों से प्यार करने वाली एक महिला रहती थी। वह टींकू चिड़िया और उसके परिवार के लिए रोज रोटी का टुकड़ा डालती थी। एक दिन वह बीमार पड़ गई और उसकी मौत हो गई। टींकू चिड़िया और उसका पूरा परिवार उस औरत के खाने पर निर्भर था। अब उनके पास खाने के लिए कुछ नहीं था और न ही वो अपने लिए खान जुटाने के लिए कुछ करते हैं। एक दिन भूख से बेहाल होने पर टींकू चिड़िया के पिता ने कीड़ों का शिकार करने का फैसला किया। काफी मेहनत करने के बाद उन्हें 3 कीड़े मिले, जो परिवार के लिए काफी नहीं थे। वे 8 लोग थे, इसलिए उन्होंने टींकू और उसके 2 छोटे भाइयों को खिलाने के लिए कीड़े साइड में रख दिए।

इधर, खाने की तलाश में भटक रही टींकू, उसके भाई और उसकी मां ने एक घर की खिड़की में चोंच मारी, ताकि कुछ मिल जाए, लेकिन कुछ नहीं मिला। उल्टा घर के मालिक ने उनपर राख फेंक दी, जिससे तीनों भूरे रंग के हो गए। उधर, काफी तलाश करने के बाद टींकू के पिता को एक ऐसी जगह मिली, जहां काफी संख्या में कीड़े थे। उनके कई दिनों के खाने का इंतजाम हो चुका था। वह जब खुशी-खुशी घर पहुंचा, तो वहां कोई नहीं मिला। वह परेशान हो गया।

तभी टींकू चिड़िया, उसका भाई और मां वापस लौटे, तो पिता उन्हें पहचान नहीं पाए और गुस्से में उन्होंने सबको भगा दिया। टींकू ने पिता को समझाने की काफी कोशिश की। उसने बार-बार बताया कि किसी ने उनके ऊपर रंग फेंका है, लेकिन टींकू के हाथ असफलता ही लगी। उसकी मां और भाई भी निराश हो गए, लेकिन टींकू ने हार नहीं मानी। वह उन्हें लेकर तालाब के पास गई और नहलाकर सबकी राख हटा दी। तीनों अब अपने पुराने रूप में आ गए। अब टींकू के पिता ने भी उन्हें पहचान लिया और माफी मांगी। अब सब मिलकर खुशी-खुशी एक साथ रहने लगे। उनके पास खाने की भी कमी नहीं थी।

वीर गाथा

मेजर मोहन गंगाधरन: बलिदान देकर बड़ी उग्रवादी घटना नाकाम की, सैकड़ों लोगों का जीवन बचाया

मेजर मोहन गंगाधरन का जन्म 11 फरवरी, 1961 को पिता लेफ्टिनेंट कर्नल केजी गंगाधरन (सेवानिवृत्त) और माता सरोजिनी गंगाधरन के घर में हुआ था। उनके परिवार के कई सदस्य सेना में सेवाएं दे चुके हैं। मोहन ने कई जगहों से स्कूली शिक्षा पाई। उसके बाद मंगलूरु में एनआईटी सुरथकल से सिविल इंजीनियरिंग में स्नातक किया। इसके बाद वे सेना में भर्ती हो गए। उन्हें कोर ऑफ इंजीनियर्स की 59 इंजीनियरिंग रेजिमेंट में शामिल किया गया।

साल 1999 और दिन था 24 फरवरी, मेजर मोहन असम के नौगोंग जिले में शंकरबस्ती पोस्ट पर बतौर पोस्ट कमांडर तैनात थे। शाम को उनकी यूनिट को खुफिया सूचना मिली कि उग्रवादियों का एक समूह जैनखान गांव में छुपा हुआ है।

इसके बाद मेजर मोहन तुरंत सैन्य बल के साथ उस गांव पहुंचे और संबंधित जगह को चारों ओर से घेर लिया। अचानक मोटरसाइकिल पर सवार तीन हथियारबंद उग्रवादी अंधेरे का फायदा उठाकर फरार होने की कोशिश करने लगे। उन्होंने जवानों की ओर गोलीबारी भी की।

इसका मुंहतोड़ जवाब देते हुए मेजर मोहन ने धावा बोला और एक उग्रवादी को नीचे गिरा दिया, जो अपने संगठन का एरिया कमांडर था। इस दौरान मोहन के दाएं हाथ और सीने पर गोलियां लगीं, लेकिन उन्होंने इसकी परवाह न करते हुए मुकाबला जारी रखा। उन्होंने बाएं हाथ में बंदूक थामी और उग्रवादी को ललकारा।

मेजर मोहन ने उस हाथ से भी अचूक निशाना लगाया और उग्रवादी को मार गिराया। इसके बाद उन्होंने बाकी दो उग्रवादियों को निशाने पर लिया। मोहन गंभीर रूप से घायल हो गए थे। आखिरकार वहीं वीरगति को प्राप्त हो गए।

साथी जवानों ने दोनों उग्रवादियों को दबोच लिया। उनके कब्जे से भारी मात्रा में हथियार मिले, जिन्हें जब्त कर लिया गया। इस तरह मेजर मोहन गंगाधरन ने अपना बलिदान देकर एक बड़ी उग्रवादी घटना नाकाम कर दी और सैकड़ों लोगों का जीवन बचाया। उन्हें 15 अगस्त, 1999 को शौर्य चक्र से सम्मानित किया गया।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law. **RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता। – दक्षिण भारत राष्ट्रमत

स्वागत

हैदराबाद में शनिवार को भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) की बैठक स्थल पर पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी का स्वागत करते हुए।

किम जोंग ने रूस में परमाणु हमला करने में सक्षम बम वर्षक विमान और युद्धपोत देखे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सियोल। उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन इन दिनों रूस के दौरे पर हैं और शनिवार को उन्होंने परमाणु हमला करने में सक्षम बम वर्षक विमान, हाइपरसोनिक मिसाइल तथा रूस के प्रशांत बेड़े में शामिल उन्नत युद्धपोत देखे।

किम जोंग रूस के सुदूर पूर्वी क्षेत्र का दौरा कर रहे हैं जिसे लेकर पश्चिमी देशों ने चिंता जाहिर की है। विशेषज्ञों का मानना है कि यूक्रेन के खिलाफ रूस के हमले के बीच मॉस्को को उत्तर कोरिया से हथियार मिल सकते हैं,जिससे युद्ध में तेजी आ सकती है।

आर्त्योम पहुंचने के बाद किम व्लादिवोस्तोक शहर के बाहर स्थित हवाई अड्डे पहुंचे, जहां रूस के रक्षा मंत्री सर्गेई शोइगु और अन्य सैन्य अधिकारियों ने उन्हें परमाणु हमला करने में सक्षम बमवर्षक विमान और अन्य युद्धक विमान दिखाए।

किम को शनिवार को युद्धक विमान दिखाए गए इसी तरह के विमानों का इस्तेमाल यूक्रेन में युद्ध के दौरान किया जा रहा है। इनमें टीयू-160, टीयू-95 और टीयू-22 शामिल हैं। इन विमानों के जरिए युद्ध में लगातार क्रूज मिसाइलें गिराई जा रही हैं।

रूस के रक्षा मंत्रालय के मुताबिक शोइगु ने किम को रूस की नवीनतम मिसाइल 'हाइपरसोनिक किंझल' भी दिखाई, जिसे मिग-31 लड़ाकू विमान के जरिये दागा जाता है।

शोक

लखनऊ के आनंदनगर रेलवे कॉलोनी में शनिवार को मकान की छत गिरने से एक ही परिवार के पांच लोगों की मौत हो गई। शोक मनाती महिलाएं।

पाकिस्तान में पेट्रोल-डीजल की कीमतें रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचीं, विरोध के बीच फैसले को अदालत में चुनौती

इस्लामाबाद/भाषा

पाकिस्तान में मुद्रास्फीति के दहाई अंकों में पहुंच जाने के बीच कार्यवाहक सरकार ने पेट्रोल और डीजल की कीमतों में एक बार फिर बढ़ोतरी कर दी है। इन पेट्रोलियम उत्पादों की कीमतें रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच जाने के बाद विपक्षी दलों ने विरोध शुरू कर दिया है।

कार्यवाहक सरकार के इस फैसले को लाहौर उच्च न्यायालय में चुनौती भी दे दी गई है। कार्यवाहक प्रधानमंत्री अनवारुल हक काकड़ की मंजूरी मिलने के बाद वित्त मंत्रालय ने शुक्रवार रात पेट्रोल की कीमत में 26.02 रुपए और डीजल की कीमत में 17.34 रुपए प्रति लीटर की बढ़ोतरी करने का आदेश जारी कर दिया। इसके बाद पेट्रोल और 'हाई-स्पीड' डीजल (एचएसडी) की कीमतें 330 रुपए प्रति लीटर से ज्यादा हो गई हैं। इसके पहले एक सितंबर को भी कार्यवाहक सरकार ने पेट्रोल और डीजल की कीमतों में लगभग 14 रुपए प्रति लीटर की बढ़ोतरी की थी।

पिछले महीने देश में कार्यवाहक सरकार बनने के बाद से पेट्रोल और डीजल के दाम 20 प्रतिशत तक बढ़ चुके हैं। पाकिस्तान में 15 अगस्त के बाद से पेट्रोल की कीमत में 32.14 रुपए जबकि डीजल की कीमत में 38.49 रुपए प्रति लीटर की वृद्धि हो चुकी है।

समाचार-पत्र 'डॉन' ने कहा कि पेट्रोल और डीजल की कीमतों का 330 रुपए प्रति लीटर पर पहुंचना एक मनोवैज्ञानिक अवरोध के टूटने जैसा है। अगस्त में मुद्रास्फीति की दर 27.4 प्रतिशत से अधिक बढ़ने के बाद ईंधन की कीमतों में बढ़ोतरी हुई है। पेट्रोल-डीजल की कीमतें बढ़ने के बाद विपक्षी दल जहां इसका कड़ा विरोध कर रहे हैं। 'दुनिया न्यूज' चैनल की वेबसाइट के मुताबिक, पेट्रोलियम कीमतों में भारी बढ़ोतरी का विरोध करते हुए जमात-ए-इस्लामी (जेआई) ने पाकिस्तान के सभी चारों प्रांतों में गवर्नर के घरों के बाहर धरना देने की घोषणा की है। जेआई प्रमुख सिराजुल हक ने कहा कि सरकार ने अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष (आईएमएफ) के निर्देश पर पेट्रोलियम की कीमतें बढ़ाकर आम आदमी का जीवन दयनीय बना दिया है। ग्रैंड डेमोक्रेटिक अलायंस के सरदार अब्दुल रहीम ने कहा कि पाकिस्तान डेमोक्रेटिक मूवमेंट (पीडीएम) का आईएमएफ के साथ समझौता 'देश की अर्थव्यवस्था के लिए घातक साबित हुआ है।

यह देखकर दुख होता है कि कुछ लोगों को भारत की प्रगति पसंद नहीं : जगदीप धनखड़

नई दिल्ली/भाषा

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने शनिवार को कहा कि भारत चांद पर पहुंच गया है, लेकिन यह देखकर दुख होता है कि कुछ लोगों को देश की प्रगति पसंद नहीं है। संगीत नाटक अकादमी अमृत पुरस्कार समारोह में, धनखड़ ने उन कलाकारों के काम को सम्मान नहीं देने को लेकर पूर्ववर्ती सरकारों की आलोचना की, जिन्हें पद्म पुरस्कारों से काफी पहले सम्मानित किया जाना चाहिए था। उन्होंने भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के 'चंद्रयान-3' मिशन की सफलता की प्रशंसा करते हुए कहा, चंद्रमा पर हमने जो हासिल किया, उसमें कुछ ऐसे पहलू थे तो दुनिया में पहली बार हैं जिसमें चंद्रमा के दक्षिण ध्रुव पर उतरना भी शामिल है।

उपराष्ट्रपति ने कहा, एक वक्त था जब हमारे पड़ोसी अपनी धरती से अंतरिक्ष में उपग्रह भेज रहे थे और हम दूसरे देशों से भेज रहे थे। आज यूरोपीय देश, सिंगापुर और अन्य देश अपने उपग्रह भेजने के लिए इसरो की सेवाएं ले रहे हैं। यह कोई छोटी उपलब्धि नहीं है। उन्होंने कहा कि विश्व बैंक प्रमुख ने डिजिटल विकास के लिए भारत की प्रशंसा की और कहा कि उसने पिछले छह वर्ष में ऐसी उपलब्धियां हासिल की है जो पिछले 50 वर्ष में नहीं किया जा सका।

धनखड़ ने कहा, मुझे दुख होता है कि कुछ ऐसे लोग हैं, जो संख्या में बहुत कम हैं, उन्हें भारत की प्रगति अच्छी नहीं लगती?

संगीत नाटक अकादमी ने 75 वर्ष से अधिक आयु के कुल 84 कलाकारों को सम्मान देने के लिए अमृत पुरस्कारों की शुरुआत की है, जिन्हें अभी तक उनके काम के लिए कभी कोई पुरस्कार नहीं दिया गया। धनखड़ ने कहा, चयन को देखिए, सभी की उम्र 75 वर्ष से अधिक हैं और अभी तक किसी ने उनके योगदान के लिए सम्मानित नहीं किया। ऐसा क्यों हुआ? कलाकारों को पद्म पुरस्कार देने की हमारी संस्कृति थी लेकिन वे किसे और कैसे दिए गए? उन्होंने कहा, पिछले 10 वर्ष में जिन लोगों को पद्म पुरस्कार मिले हैं, उन्होंने कभी इसके मिलने की उम्मीद नहीं की थी। इस देश के इतिहास में कभी पद्म पुरस्कार दिए जाने के बाद उन्हें इतनी व्यापक स्वीकृति नहीं मिली है।

'टाइगर-3' को नहीं है प्रमोशन की जरूरत, दर्शकों को है इसका इंतजार

मुंबई/एजेन्सी

सलमान खान की अपकमिंग फिल्म 'टाइगर 3' का भी चर्चा जोरो से है। सलमान की इस फिल्म का फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। फिल्म इस साल दिवाली के खास मौके पर रिलीज होने के लिए पूरी तरह से तैयार है। मेकर्स ने अभी तक फिल्म का टीजर या ट्रेलर जारी नहीं किया है। मेकर्स फिल्म का प्रमोशन भी उस हिसाब से नहीं कर रहे हैं। ऐसे में अटकलें लगाई जा रही है कि कहीं इसका असर फिल्म के बॉस ऑफिस पर ना पड़े। अब इस मामले पर ट्रेड एक्सपर्ट अतुल मोहन ने अपन राय शेयर की है। ट्रेड एक्सपर्ट ने कही ये टाइगर 3 पर कही ये बात

हाल ही में बॉलीवुड लाइव को दिए एक इंटरव्यू में एक अतुल मोहन ने कहा, फिल्म को प्रमोशन की ज्यादा जरूरत नहीं है। फिल्म को रिलीज होने में 2 महीने बचे हैं और अभी से फिल्म के टीजर या ट्रेलर को रिलीज करने क कोई फायदा नहीं है। फिलहाल चारों तरह 'जवान' ही जलवा है, तो ऐसे में टाइगर 3 के प्रमोशन का सवाल ही नहीं पैदा होता है। 'टाइगर 3' की कमाई पर कोई असर नहीं पड़ेगा

अतुल ने आगे कहा, सलमान की फिल्म 'टाइगर 3' का प्रमोशन ना होने की वजह से इससे फिल्म की कमाई पर कोई असर नहीं पड़ने वाला है। ट्रेड एनालिस्ट ने जवान का उदाहरण देते हुए कहा, फिल्म के मेकर्स ने जवान का कुछ खास प्रमोशन नहीं किया। ट्रेलर फिल्म की रिलीज से महज कुछ दिन पहले आया है। बावजूद इसके फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन कर रही है। उसी तरह सलमान खान की टाइगर 3 को भी प्रमोशन की जरूरत नहीं है। सलमान खान की 'टाइगर 3' में शाहरुख खान कैमियो करते हुए नजर आएंगे। फिल्म में एक बार फिर कैटरीना कैफ और सलमान खान जोया और टाइगर के रूप में धूम मचाने के लिए तैयार हैं। इस फ्रेंचाइजी की पहली फिल्म साल 2011 में आई थी। उस दौरान 'एक था टाइगर' ने बॉक्स ऑफिस पर तहलका मचा दिया था। वहीं साल 2017 में इसका दूसरा पार्ट आया। इस फिल्म ने भी बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट साबित हुई थी।

विक्की कौशल से बेहतर एक्शन कोई नहीं कर सकता :अनुराग कश्यप

मुंबई/वार्ता। बॉलीवुड के जानेमाने निर्देशक अनुराग कश्यप ने विक्की कौशल की तारीफ करते हुये का है कि उनसे बेहतर एक्शन कोई नहीं कर सकता है। विक्की कौशल ने अनुराग कश्यप के साथ फिल्म गैंग्स ऑफ वासेपुर में असिस्टेंट डायरेक्टर के तौर पर काम किया था।इसके बाद विक्की कौशल ने अनुराग कश्यप की फिल्म रमन राघव 2.0 और मनमर्जियां में काम किया था। हाल ही में विक्की ने अनुराग कश्यप की फिल्म ऑलमोस्ट प्यार विद डीजे मोहब्बत में भी साथ काम किया है।अनुराग कश्यप ने विक्की कौशल की तारीफ है। उन्होंने कहा है कि अब तक किसी ने भी विक्की कौशल के रियल टैलेंट को नहीं पहचाना है।

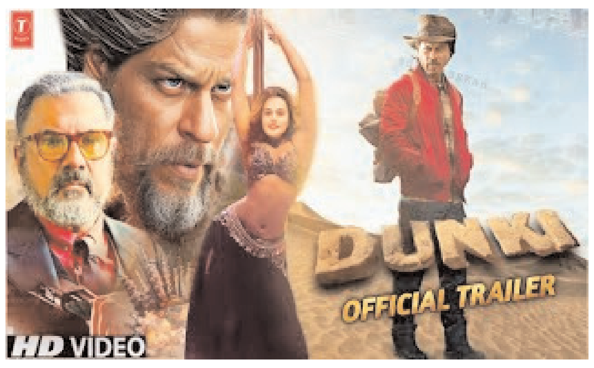

क्रिसमस के अवसर पर रिलीज होगी फिल्म डंकी !

मुंबई/वार्ता

बॉलीवुड के किंग खान शाहरूख खान की फिल्म डंकी क्रिसमस के अवसर पर रिलीज हो सकती है। शाहरूख खान की इस वर्ष पठान और जवान जैसी सुपरहिट फिल्में प्रदर्शित हुयी है। शाहरूख की अगली रिलीज फिल्म डंकी होगी।राजकुमार हिरानी के निर्देशन में बन रही फिल्म डंकी में शाहरूख के साथ तापसी पन्नू की अहम भूमिका है। शाहरूख खान ने कहा,माशाल्लाह, भगवान पठान के साथ बहुत दयालु रहे हैं और उससे भी ज्यादा जवान के साथ। हमने 26 जनवरी गणतंत्र दिवस से पठान के साथ शुरुआत की, फिर जन्माष्टमी के मौके पर हमने फिल्म जवान रिलीज की।अभी नया साल और क्रिसमस आने वाला है, उसमें हम डंकी लेकर आएंगे। मैं सभी धर्मों को मानता हूं। वैसे भी जब मेरी फिल्म रिलीज होती है, तो उस दिन तो ईद होती है। मैं कड़ी मेहनत कर रहा हूं।काफी समय से चर्चा है कि शाहरुख खान की 'डंकी' 22 दिसंबर को रिलीज हो सकती है।

चीन: सैन्य बैठक में अनुपस्थित रहने के बाद रक्षा मंत्री जनरल ली को हटाए जाने की अटकलें तेज

बीजिंग/भाषा

चीन के केंद्रीय सैन्य आयोग (सीएमसी) की शुक्रवार को यहां आयोजित बैठक में अनुपस्थित रहने के बाद लापता चीनी रक्षा मंत्री जनरल ली शांगफू को पद से हटाए जाने और हिरासत में होने की अटकलें तेज हो गईं। चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग के करीबी माने जाने वाले जनरल ली इस महीने की शुरुआत से सार्वजनिक रूप से नहीं देखे गए हैं और वह 7 और 8 सितंबर को वियतनाम के वरिष्ठ रक्षा अधिकारियों के साथ बैठक में भी शामिल नहीं हुए थे। ली इस साल जुलाई से लापता होने वाले दूसरे उच्च पदस्थ मंत्री और चीन की सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीसी) के पदाधिकारी हैं।

हांगकांग के 'साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट' ने चीन के सरकारी प्रसारक सीसीटीवी पर प्रसारित फुटेज के हवाले से शनिवार को बताया कि राष्ट्रपति शी की अध्यक्षता में चीनी सेना के समग्र उच्च कमान सीएमसी की शुक्रवार को आयोजित बैठक में जनरल ली नदारद थे।

माओत्से तुंग के बाद सबसे शक्तिशाली नेता माने जाने वाले 70 वर्षीय शी राष्ट्रपति के अलावा सीपीसी और सीएमसी के भी प्रमुख हैं। शुक्रवार की बैठक में पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) की राजनीतिक शिक्षा पर चर्चा हुई।

पोस्ट में कहा गया है कि सात सदस्यीय केंद्रीय सैन्य आयोग (सीएमसी) में से तीन ने बैठक में भाग लिया, जिसमें आयोग के उपाध्यक्ष हे वेइडोंग, राजनीतिक मामलों को देखने वाले एडमिरल मियाओ हुआ और अनुशासनात्मक मुद्दों के प्रभारी रॉकेट फोर्स जनरल झांग शेंगमिन शामिल हैं।

फिल्म 'दिल है ग्रे' ने पहले ऑडियो टीज़र प्रीमियर के साथ टीआईएफएफ-2023 में इतिहास रचा

मुंबई/एजेन्सी

एक ऐतिहासिक सिनेमाई क्षण का गवाह बनने के लिए तैयार हो जाइए। क्योंकि निर्देशक सुसी गणेशन की दूरदर्शी रचना और एम. रमेश रेड्डी द्वारा निर्मित दिल है ग्रे टोरंटो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल (टीआईएफएफ) 2023 में धूम मचाने के लिए तैयार है। निर्माताओं ने एक ऑडियो टीज़र जारी किया है। यह भारतीय मनोरंजन क्षेत्र में एक ऐतिहासिक क्षण है। मुख्य भूमिकाओं में विनीत कुमार सिंह, अक्षय ओबेरॉय और आकर्षक उर्वशी रौतेला सहित शानदार कलाकारों की विशेषता वाला यह सिनेमाई चमत्कार वैश्विक स्तर पर दर्शकों को मंत्रमुग्ध करने के लिए तैयार है। एक अभूतपूर्व कदम में भारतीय राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम (एनएफडीसी) ने टीआईएफएफ में एक विशेष स्क्रीनिंग के लिए दिल है ग्रे को चुना। इससे भारतीय सिनेमा के इतिहास में अपनी जगह मजबूत हो गई। फिल्म के वैश्विक प्रीमियर से पहले, टीम ने दर्शकों के लिए दृश्यों की कल्पना छोड़ते हुए अपनी तरह का पहला ऑडियो टीज़र जारी किया।

टीज़र को संयुक्त सचिव और एमडी, एनएफडीसी, प्रितुल कुमार ने भारतीय मंडप में जारी किया। सुश्री उर्वशी रौतेला, निर्देशक सुसी गणेशन और एसोसिएट निर्माता मंजरी ने इस कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। जब सूसी गणेशन से ऑडियो टीज़र लॉन्च के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने उत्साहपूर्वक कहा, यह एक ऐतिहासिक क्षण है। टीआईएफएफ 'दिल है ग्रे' को पेश करने के लिए एक आदर्श मंच है, हमने ऑडियो टीज़र जारी करने का फैसला किया क्योंकि यह सिनेमा प्रेमियों को एक अनूठा अनुभव देता है। यह भारत के पहले ऑडियो टीज़र की शुरूआत है, जो भारतीय सिनेमा के भविष्य के लिए मानदंड स्थापित करता है। ऑडियो टीज़र ज्वलंत मानवीय भावनाओं को समाहित करता है और सही और गलत के बीच की रेखाओं को धुंधला करते हुए हमारी भूरी दुनिया की एक श्रवण झलक पेश करता है। और हम आभारी हैं टीज़र को इतनी सराहना देने के लिए दर्शकों को धन्यवाद। उत्साह बढ़ाते हुए फिल्म की प्रमुख महिला उर्वशी रौतेला ने अपनी प्रत्याशा साझा करते हुए कहा, 'दिल है ग्रे' का हिस्सा बनना एक उत्साहजनक यात्रा रही है।

ऑडियो टीज़र रिलीज़ एक सिनेमाई क्रांति है। हम इसे बढ़ाकर बहुत खुश हैं भारतीय कहानी कहने का मानक, वह भी इतने शानदार मंच पर। टीज़र को इतना पसंद करने के लिए दर्शकों को विशेष धन्यवाद! भारतीय मंडप के नेतृत्व में भारतीय सिनेमा के उत्सव का उत्सव, भारत की समृद्ध सिनेमाई विरासत और वैश्विक फिल्म मंच पर इसकी गतिशील उपस्थिति को प्रदर्शित करता है।

देश के पहले ऑडियो टीज़र के अनावरण के साथ, दिल है ग्रे महोत्सव की शानदार लाइनअप में एक प्रतिष्ठित अतिरिक्त होने का वादा करता है, जो भारतीय मनोरंजन को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगा।

टाइटल गीत लिखने में माहिर थे हसरत जयपुरी

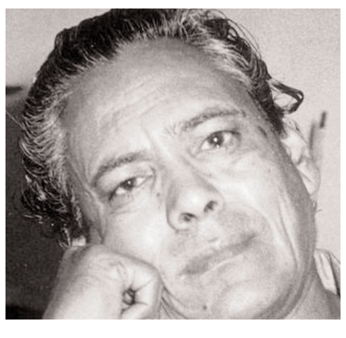

मुम्बई/एजेन्सी

हिन्दी फिल्मों में जब भी टाइटल गीतों का जिक्र होता है, गीतकार हसरत जयपुरी का नाम सबसे पहले लिया जाता है ।वैसे तो हसरत जयपुरी ने हर तरह के गीत लिखे लेकिन फिल्मों के टाइटल पर गीत लिखने में उन्हें महारत हासिल थी । हिन्दी फिल्मों के स्वर्ण युग के दौरान टाइटल गीत लिखना बड़ी बात समझी जाती थी ।निर्माताओं को जब भी टाइटल गीत की जरूरत होती थी तब हसरत जयपुरी से गीत लिखवाने की गुजारिश की जाती थी।उनके लिखे टाइटल गीतों ने कई फिल्मों को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी थी।हसरत जयपुरी के लिखे कुछ टाइटल गीत हैं.. दीवाना मुझको लोग कहें ,दिल एक मंदिर है, रात और दिन दीया जले, तेरे घर के सामने इक घर बनाऊंगा,तेरे घर के सामने,ऐन इवनिंग इन पेरिस, गुमनाम है कोई बदनाम है कोई,दो जासूस करें महसूसआदि । 15 अप्रैल 1922 को जन्में हसरत जयपुरी .मूल नाम इकबाल हुसैन. ने जयपुर में प्रारंभिक शिक्षा हासिल करने के बाद अपने दादा फिदा हुसैन से उर्दू और फारसी की तालीम हासिल की।बीस वर्ष का होने तक उनका झुकाव शेरो-शायरी की तरफ होने लगा और वह छोटी-छोटी कविताएं लिखने लगे ।वर्ष 1940 में नौकरी की तलाश में हसरत जयपुरी ने मुम्बई का रूख किया और आजीविका चलाने के लिए वहां बस कंडक्टर के रूप में नौकरी करने लगे। इस काम के लिये उन्हे मात्र 11 रुपये प्रति माह वेतन मिला करता था।इस बीच उन्होंने मुशायरों के कार्यक्रम में भाग लेना शुरू किया।उसी दौरान एक कार्यक्रम में पृथ्वीराज कपूर उनके गीत को सुनकर काफी प्रभावित हुये और उन्होने अपने पुत्र राजकपूर को हसरत जयपुरी से मिलने की सलाह दी। राजकपूर उन दिनों अपनी फिल्म ..बरसात ..के लिये गीतकार की तलाश कर रहे थे।उन्होंने हसरत जयपुरी को मिलने का न्योता भेजा।राजकपूर से हसरत जयपुरी की पहली मुलाकात .रायल ओपेरा हाउस. में हुयी और उन्होने अपनी फिल्म बरसात के लिये उनसे गीत लिखने की गुजारिश की।इसे महज संयोग ही कहा जायेगा कि फिल्म बरसात से ही संगीतकार शंकर जयकिशन ने भी अपने सिने कैरियर की शुरूआत की थी ।राजकपूर के कहने पर शंकर जयकिशन ने हसरत जयपुरी को एक धुन सुनाई और उसपर उनसे गीत लिखने को कहा।

वर्ष 1949 में प्रदर्शित फिल्म बरसात में अपने इस गीत.. की कामयाबी के बाद हसरत जयपुरी गीतकार के रूप में अपनी पहचान बनाने में सफल हो गये।बरसात की कामयाबी के बाद राजकपूर. हसरत जयपुरी और शंकर-जयकिशन की जोडी ने कई फिल्मो मे एक साथ काम किया।हसरत जयपुरी की जोड़ी राजकपूर के साथ वर्ष 1971 तक कायम रही।संगीतकार जयकिशन की मृत्यु और फिल्म मेरा नाम जोकर और कल आज और कल की बाक्स आफिस पर नाकामयाबी के बाद राजकपूर ने हसरत जयपुरी की जगह आनंद बख्शी को अपनी फिल्मों के लिये लेना शुरू कर दिया।हालांकि अपनी फिल्म ..प्रेम रोग ..के लिये राजकपूर ने एक बार फिर से हसरत जयपुरी को मौका देना चाहा लेकिन बात नही बनी ।

इसके बाद हसरत जयपुरी ने राजकपूर के लिये वर्ष 1985 मे प्रदर्शित फिल्म राम तेरी गंगा मैली मे ..सुन साहिबा सुन..गीत लिखा जो काफी लोकप्रिय हुआ। हसरत जयपुरी को दो बार फिल्म फेयर पुरस्कार से सम्मानित किया गया है ।हसरत जयपुरी वल्रड यूनिवर्सिटी टेबुल के डाक्ट्रेट अवार्ड और उर्दू कान्फ्रेंस में जोश मलीहाबादी अवार्ड से भी सम्मानित किये गये ।फिल्म मेरे हुजूर में हिन्दी और ब्रज भाषा में रचित गीत ..झनक झनक तोरी बाजे पायलिया .. के लिये वह अम्बेडकर अवार्ड से सम्मानित किये गये।हसरत जयपुरी ने यूं तो कई रूमानी गीत लिखे लेकिन असल जिदंगी में उन्हें अपना पहला प्यार नही मिला।

RNI No. 58061/93. Regn No.:
RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

यहां विजयनगर स्थित अर्हम भवन में आचार्यश्री महाश्रमणजी के सुशिष्य मुनि श्री दीप कुमारजी के सान्निध्य में जैन धर्म के मुख्य पर्व पर्वाधिराज पर्युषण के पांचवे दिन अणुव्रत चेतना दिवस के रूप में जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा-विजयनगर द्वारा आयोजित हुआ। प्रवचन में जन-सैलाब उमड़ पड़ा। मुनिश्री दीपकुमारजी ने कहा कि अणुव्रत संयम से जीने की प्रेरणा देता है।

स्वागत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु में जेसी रोड स्थित कन्नड़ा भवन के नयना सभागार में वागादेवी नृत्य शाला एवं कला सौरभ द्वारा आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में मुख्यअतिथि के रूप में गौसेवक एवं सामाजिक कार्यकर्ता महेन्द्र मुणोत ने भाग लिया। उनका सम्मान संस्थान की शिक्षिकाओं द्वारा किया गया।

वाणी पर संयम से घर बनता है स्वर्ग : डॉ. प्रतिभाश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। यहां अक्कीपेट के श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ के तत्वावधान में अक्कीपेट स्थानक में विराजित महासाध्वी डॉ प्रतिभाश्रीजी म. सा. ने अपने प्रवचन मे कहा कि हर व्यक्ति अपने घर को स्वर्ग बनाना चाहता है। मरने के बाद स्वर्ग मिलेगा, इसकी कोई गारंटी नहीं है, परंतु जहां आप रह रहे हैं उसे स्वर्ग या नरक बनाना आपके हाथों में है। व्यक्ति चाहता है उसे यहीं पर सुख शांति प्रेम सौहार्द का वातावरण मिले। व्यक्ति रात दिन एक करके मेहनत करके पैसों से मकान तो बना लेता है लेकिन वह मकान घर तभी बनता है, जब मकान में रहने वाले सदस्यों में संस्कार, वाणी पर संयम समर्पण की भावना और एक दूसरे के प्रति प्यार एवं त्याग की भावना रखे। आज व्यक्ति अपने परिवार को हर तरह की सुख सुविधा देने के लिए तैयार है। अपने बच्चों की हर मांग को पूरा करता है। घर के बच्चों को एक वस्तु मांगने पर वह दस वस्तु लाकर देता है, परन्तु समय नहीं देता। आजकल माता-पिता अपने बच्चों को समय नहीं दे पाते हैं। वे सब कुछ देते हैं परंतु प्यार नहीं दे पाते हैं। इस कारण से बच्चे उस प्यार को बाहर ढूंढते हैं।

बच्चों को बड़ी-बड़ी स्कूलों में दाखिला करवाते हैं। बड़ी-बड़ी डिग्री दिलाते हैं परंतु जब उन बच्चों में धर्म संस्कार के अभाव के कारण अपने हाथ से निकल जाने के बाद सिर्फ पछतावा के सिवा कुछ नहीं रहता है। घर को स्वर्ग बनाने का सबसे बड़ा मूल मंत्र है वह है वाणी में जादू। वाणी में संयम। परिवार के हर सदस्यों को एक दूसरे से वाद नहीं संवाद रखना चाहिए। आज के समय में संयुक्त परिवार के अभाव में माता-पिता को अपने बच्चों के प्रति जिम्मेदारी ज्यादा बढ़ती जाती है। अपने बच्चों को ज्यादा समय दें। धर्म साधना, कम से कम प्रार्थना तो सभी मिलकर करें मोबाइल के उपयोग पर थोड़ा संयम रखें। मोबाइल बाहरी दुनिया से तो जोड़ देता है पर परिवार से तोड़ देता है। घर स्वर्ग तभी बनता है जब घर के सदस्य में राम, लक्ष्मण और भरत की तरह त्याग एवं समर्पण की भावना, एक दूसरे के प्रति विश्वास एवं वाणी में मधुरता हो।

अक्कीपेट स्थानक में महावीर स्वामी के जन्मदिवस उपलक्ष्य में उनके जीवनी पर चंदनबाला महिला मंडल एवं प्रतिभा बालिका मंडल द्वारा बहुत ही सुंदर नाटिका प्रस्तुत की गई। साध्वी प्रियांगीश्रीजी ने चातुर्मास संबंधी सूचनाएं प्रदान की। सहमंत्री विनोद भूरट ने संचालन किया।

बीईएल को रु.3,000 करोड़ मूल्य के आदेश प्राप्त हुए

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड ने भारतीय नौसेना के लिए छह नेक्स्ट जेनरेशन मिसाइल वेसल्स (एनजीएमवी), एंटी-सर्फेस वॉरफेयर कॉर्वेट्स के क्लास के लिए सेंसर, हथियार उपकरण, फायर कंट्रोल सिस्टम और संचार उपकरण सहित विभिन्न उपकरणों की आपूर्ति के लिए कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड से 2,118.57 करोड़ रुपये का आदेश प्राप्त किया है। इस परियोजना में एमएसएमई सहित भारतीय इलेक्ट्रॉनिक्स और संबंधित उद्योगों की भागीदारी होगी, जो बीईएल के उप-विक्रेता हैं। बीईएल द्वारा निर्मित उपकरण 'आत्मनिर्भर भारत' कार्यक्रम का हिस्सा हैं। कंपनी को 25 अगस्त, 2023 को अंतिम प्रकटीकरण के बाद से 886 करोड़ रुपये के अतिरिक्त आदेश भी प्राप्त हुए हैं और उक्त आदेश एएफनेट सैटकॉम नेटवर्क, आरएफ सीकर के साथ आकाश मिसाइलों के उन्नयन, इनेर्शल नैविगेशन सिस्टम और अन्य उपकरणों के साथ सहायक उपकरणों और पुर्जे आदि से संबंधित हैं। इसके साथ ही वित्तीय वर्ष 2023-24 में अब तक बीईएल को कुल मिलाकर 14,384 करोड़ रुपये के आदेश प्राप्त हुए हैं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कविता

गगन उम्मीदों का

गगन विशाल है उम्मीदों का
आशाओं का भी है सवेरा,
राह में बाधाएं हों तो क्या
बस संकल्प न डिगे तेरा !

असीम दायरा है गगन का
तुझको पर फैलाने होंगे,
छूना गर हो बुलंदियों को
निर्णय दृढ़ अपनाने होंगे !

तिरस्कार तो होता उसका
जो बैठ जाता है हारकर,
मंजिल कहां मिलती हैं उसको
जो रहता है मन मारकर !

सपने साकार होते उसी के
जिसने हार न मानी है,
कर्मवीर के लक्ष्य में हरदम
रहती मंजिल सुहानी है !

संभावनाएं तो भरी पड़ी हैं
हिम्मत से कदम बढ़ाए जा,
मेहनत का बहाकर पसीना
मन चाहे किस्से गढ़ाए जा !

गगन है ये उम्मीदों का
आस कभी मत छोड़ना,
मंजिल से परे कदमों का
रुख कभी मत मोड़ना..!

राजेंद्र गुलेच्छा 'राज'
मो. 9620212395

पर्युषण तप, त्याग का पर्व है : साध्वी भव्यगुणाश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु । यहां मामुलपेट के सिमंधर स्वामी राजेंद्र सूरी ट्रस्ट के तत्वावधान में आयोजित चातुर्मास में गुरु राजेन्द्र भवन किलारी रोड में विराजित साध्वी श्री भव्यगुणाश्रीजी ने शनिवार को महावीर जन्म वांचन महोत्सव के अवसर पर कहा कि पयुर्षण तप और त्याग का पर्व है। इस दौरान आत्मा की अज्ञानता दूर करना यही सच्चा धर्म है। पयुर्षण पर्व के दौरान आठ कर्मों का दहन करना तथा जीवमात्र के प्रति दया रखना यही सभी का परम कर्तव्य है। श्वेतांबर जैन समाज के पर्युषण महापर्व के तहत आज भगवान महावीर का जन्मवाचन समारोह धूमधाम से मनाया गया।

इस अवसर पर अचिंत्य चिंतामणि कल्पसूत्र शास्त्र में उल्लेखित महावीर जन्म के वृत्तांत का वाचन साध्वीश्री भव्यगुणाश्रीजी के मुखारविंद से हुआ। इस महापर्व के अंतर्गत कल्पसूत्र में उल्लेखित भगवान महावीर के जन्म-प्रसंग का वाचन सुनाया गया। माता त्रिशला ने भगवान के जन्म के पूर्व जो 14 महास्वप्न देखे थे, वे 14 रजत स्वप्न आकाश मार्ग से उतारे गये। साध्वी शीतल गुणाश्रीजी ने भगवान महावीर के जन्म उत्सव का विवरण व माता त्रिशला को आए 14 सपनों के महत्व को प्रतिपादित कर अपने विचार व्यक्त किए।

जन्मोत्सव के दौरान माता त्रिशला को आए 14 स्वप्नों की बोलियां लगाकर उन्हें प्रतिष्ठित किया गया। जन्म की खुशी में श्रद्धालुजन एक-दूसरे को केशरिया छापे भी लगाएं व प्रभावना भी वितरित की गयी। बाल प्रभु महावीर को पालने में झुलाया गया। मेघराज भंसाली ने सभी का आभार व्यक्त किया।

भगवान महावीर के बताए पथ पर चलें : आचार्य महेन्द्र सागर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

राणेबेन्नूर। यहां के श्री सुमतिनाथ जैन श्वेताम्बर संघ में शनिवार को आचार्यश्री महेन्द्रसागरसूरीजी ने कहा कि आज के 'जन्म कल्याणक' नहीं अपितु जन्म वांचन से जो महावीरमयता दिख रही है यह अत्यन्त खुशी की बात है। आज के जन्मवोधन से हम यह अनुभूति करे कि जिस दिन भगवान महावीर का जन्म हमारे हृदय में हो जाएगा उस दिन हमारी आत्मा का भी उद्धार हो जाएगा। किसी प्रिय के जन्म दिन पर हम उसे पत्र, कार्ड लिखते है, शुभ कामनाएं देते है। बस वैसे ही आज सभी आज मन की कलम से भावों की स्याही से तीनों लोक के जीवों को पत्र, कार्ड लिखें कि आपका कल्याण हो, आपको बोधि प्राप्त हो, आप को शांति प्राप्त हो आपको समाधि प्राप्त हो और आप को दुःख समाप्तीरूप परम गति की प्राप्ति हो। भगवान महावीर ने जो किया वह शायद हम न कर पाएं लेकिन इतना तो कर सकते हैं कि जो दिया है, उस पथ पर तो हम चल तो सकते हैं।

दादी के मंगलपाठ में झूमे भक्त

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। डोमलूर स्थित श्री राणी सती दादीजी मंदिर प्रांगण में भादी अमावस्या के उपलक्ष्य में शुक्रवार को राणी शक्ति फाउंडेशन द्वारा संगीतमय मंगलपाठ का आयोजन किया गया। इस अवसर दोपहर में दादीजी का पूजन किया गया। तत्पश्चात वंदना तुलसियान एवं मनीषा तुलसियान ने भगवान गणेश को मनाते हुए संगीतमय मंगलपाठ का वाचन किया। इस अवसर पर उपस्थित भक्त झूम-झूम कर थिरकते रहे। मंगलपाठ में बड़ी संख्या में महिलाओं ने भाग लिया। मंदिर में दादीजी का भव्य श्रृंगार किया गया। इस अवसर पर मंदिर के संस्थापक व ट्रस्टी गण भी उपस्थित होकर दर्शन किये।

स्कूल में मनाया हिन्दी दिवस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हुब्बल्ली। यहां घंटीकेरी स्थित श्री जैन राजस्थानी विद्या प्रचारक मंडल द्वारा संचालित श्री शांतिनाथ हिंदी हाईस्कूल और राजस्थान हिंदी विद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में शिक्षार्थियों ने और शिक्षकों ने 16 सितंबर हिंदी दिवस उत्साह पूर्वक मनाया। समारोह की अध्यक्षता मंडल के अध्यक्ष भंवरलाल जैन ने की। समारोह के अतिथि विशेष रेल्वे अधिकारी बहुबली भसग को शॉल ओढ़ाकर पुष्पगुच्छ देकर भंवरलाल जैन ने सम्मानित किया। हाईस्कूल के प्रधानाध्यापक विलास पुदाले ने अतिथि का परिचय दिया। अतिथि बाहुबली भसग ने बच्चों और शिक्षकों के हिंदी भाषा के प्रति प्रेम और रुचि देखकर प्रशंसा की। संस्कृत तथा प्राकृत भाषा के साथ तुलनात्मक विचार रखते हुए हिन्दी की नींव रखी। बच्चों को संस्कृत सीखने की प्रेरणा दी। इस संदर्भ पर मंडल के उपाध्यक्ष महेन्द्र पालगोता तथा महावीर जैन उपस्थित थे।

स्कूल और विद्यालय के द्वारा आयोजित विभिन्न प्रतियोगिता विजेता शिक्षार्थियों को प्रमाणपत्र और पुरस्कार देकर प्रेरित किया। इस अवसर पर मंजुला इरकल और सुमन के चित्रदुर्गा ने प्रासंगिक विचार रखे। इस अवसर पर विद्यालय और हाईस्कूल के शिक्षार्थियों ने हिंदी विषय पर गीत कविता सुनाये। समारोह का संचालन स्कूल के प्रधानमंत्री नरेश माली और कुमारी संतु चौधरी ने किया।

अपनी दुल्हन परिणीति को लाने के लिए नाव से बारात लाएंगे राघव चड्ढा !

उदयपुर । आम आदमी पार्टी (आप) के सांसद राघव चड्ढा दुल्हन परिणीति चोपड़ा को लाने के लिए उदयपुर में नाव से बारात लाएंगे। सूत्रों के मुताबिक, बारात 24 सितंबर को निकलेगी। इससे पहले पिछोला झील के बीच स्थित होटल ताज में राघव की सेहरा बंदी का कार्यक्रम होगा। इसके बाद ताज होटल से दुल्हन परिणीति को लेने के लिए राघव के साथ बारात निकलेगी। बारात नाव में होगी और पास के होटल लीला पहुंचेगी। इसकी तैयारियां भी जोर-शोर से चल रही हैं। बताया जा रहा है कि नावों की सजावट में मेवाड़ी परंपरा की झलक भी देखने को मिलेगी।

लीला पैलेस होटल पिछोला झील के पास स्थित है। इसके सुइट से झील, ताज होटल, सिटी पैलेस आदि देखा जा सकता है। दूल्हा-दुल्हन के कमरों के अलावा होटल में मेहमानों के लिए बुक किए गए सुइट्स को भी खूबसूरती से डिजाइन किया गया है। होटल में तीन स्पेशल वेडिंग वेन्यू हैं। मेवाड़, मेवाड़ टेरिस और मारवाड़, जिसमें शादी की सभी रस्में होंगी। दरअसल होटल में कमरों को 8 कैटेगरी में बांटा गया है, जिनका रोजाना किराया 47,000 रुपये से लेकर 10 लाख रुपये तक है।

अर्हम भवन में संयम दिवस के मौके कर स्वागत गीत की स्प्रस्तुति देते हुए आरआरनगर तेरापंथ महिला मंडल की सदस्याएं।

अणुव्रत संयम से जीने की प्रेरणा देता है : मुनि दीप कुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। यहां विजयनगर स्थित अर्हम भवन में आचार्यश्री महाश्रमणजी के सुशिष्य मुनि श्री दीप कुमारजी के सान्निध्य में जैन धर्म के मुख्य पर्व पर्वाधिराज पर्युषण के पांचवे दिन अणुव्रत चेतना दिवस के रूप में जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा-विजयनगर द्वारा आयोजित हुआ। प्रवचन में जन-सैलाब उमड़ पड़ा। मुनिश्री दीपकुमारजी ने कहा कि अणुव्रत संयम से जीने की प्रेरणा देता है। जीवन में निश्चित कोई संयम, सीमा, व्रत होना चाहिए। असीम नहीं होना चाहिए। सीमा में ही गति होती है। इसीलिए सीमा की बात समझकर सीमा के साथ-चलना, व्रतों को स्वीकार करना चाहिए। अणुव्रत है छोटे -छोटे व्रत। जो इन्हें स्वीकार करता है उनका जीवन अच्छा बनता है। मुनिश्री ने भगवान महावीर की भव परम्परा का विवेचन करते हुए वासुदेव के भव का रोचक वर्णन किया।

मुनिश्री ने आगे कहा- आज भ्रष्टाचार बढ़ रहा है। अणुव्रत नैतिक बनने की बात पर बल देता है। जिस राष्ट्र में भ्रष्टाचार होगा, वहां का भविष्य कभी अच्छा नही हो सकता। मुनिश्री ने आचार्य तुलसी को उद्धृत करते हुए सुधरे व्यक्ति, समाज व्यक्ति से, राष्ट्र स्वयं सुधरेगा इस पंक्ति में राष्ट्र को नैतिक बनाने की भावना का जिक्र किया।

मुनिश्री काव्य कुमारजी ने कहा-व्रत स्वयं से जुड़ने की एक दिव्य प्रेरणा है। व्रत हृदय की पवित्रता एवं स्वतंत्रता का नाम है। व्रत से संकल्प शक्ति बढ़ती है। व्रत आत्मविश्वास बढ़ाता है। अणुव्रत प्रत्येक व्यक्ति के लिए विकासशाली व्रत है। कार्यक्रम में तेरापंथ किशोर मंडल, विजयनगर द्वारा मंगलाचरण किया गया। श्री जैन श्वेतांबर तेरापंथी सभा अध्यक्ष प्रकाशजी गांधी ने कल के प्रवचन राजाराजेश्वरीनगर सभा भवन में होगा ऐसी जानकारी प्रदान की। अणुविभा राष्ट्रीय संगठन मंत्री राजेश चावत ने अणुव्रत आंदोलन प्रवर्तक आचार्य तुलसी के अणुव्रत रूपी सार्वभौम अवदान को मानवता के लिए उपहार बताया। अणुव्रत समिति बेंगलूरु के अध्यक्ष देवराज रायसोनी ने विचार व्यक्त किए। हंसा दुग्गड, चिन्मय कोठरी ने सूचनाएं दी।

आत्मा की अज्ञानता पर्युषण पर्व में कर्मो के दहन से दूर होती है

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। यहां महालक्ष्मी लेआउट स्थित श्री चिंतामणि पार्श्वनाथ जैन मंदिर में साध्वीश्री तत्वत्रयाश्रीजी म. सा., साध्वीश्री गोयमरत्नाश्रीजी और साध्वीश्री परमप्रज्ञाश्रीजी म सा की पावनतम निश्रा में शनिवार को पर्युषण पर्व के पांचवे दिवस पर कल्पसूत्र वांचन के अन्तर्गत प्रभु महावीर जन्मवांचन हुआ। इस दौरान साध्वीश्री तत्वत्रयाश्रीजी ने कहा कि आत्मा की अज्ञानता दूर करना यही सच्चा धर्म है पर्युषण पर्व के दौरानआठ कर्मो का दहन करना तथा जीवमात्र के प्रति दया रखना यही सभी का कर्तव्य है। इस अवसर पर अचिंत्य चिंतामणि कल्पसूत्र शास्त्र का वांचन में उल्लेखित प्रभु महावीर जन्म के वृतांत का वांचन साधु साध्वी के मुखारबिंद से होता है। इसके पश्चात भगवान महावीर के माता त्रिशला के गर्भ में आने से पूर्व देखे गये चौदह स्वपनों की बोली लगाई गई जिसमे धर्म प्रेमियों ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया। इन सभी सपनों को लाभार्थी परिवारों द्वारा उतारा गया। पारणा के लाभार्थी प्यारेलाल भरतकुमार मुकेशकुमार भैरवकुमार महावीरकुमार कुलवीरकुमार मंथनकुमार सींगेरिया परिवार को श्री संघ ने पालणाजी घर पर ले जाने का आदेश दिया गया। जैसे ही घोषणा हुई झांझर बजाकर श्रावक श्राविकाओं ने अक्षत उछाले, श्रीफल बधार कर अपनी खुशी जाहिर की। चारों ओर 'त्रिशला नंदन वीर की जय बोलो महावीर की' जयघोष से पूरा हॉल गुंजायमान हो उठा। जयंतीलाल श्रीश्रीमाल ने बताया कि धमाल के बीच खुशी और उत्साह से युवक युवती नृत्य करने लगे। केशर के छापे भी लगाए गए। जन्मवांचन में बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

दादी धाम प्रचार समिति द्वारा भादी अमावस्या उत्सव

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । स्थानीय धार्मिक संस्था श्री दादी धाम प्रचार समिति द्वारा भादी अमावस्या उत्सव मंगलपाठ एवं भजन-संध्या का आयोजन किया गया। राजराजेश्वरीनगर में दादी भक्त संजय सिद्धार्थ नोपानी के निवास प्रेस्टीज बागमने टेम्पल बेल्स के क्लब हाउस में भादी अमावस्या उत्सव बहुत ही धूमधाम से मनाया गया। आयोजक परिवार द्वारा राणी सती दादीजी की पूजा-अर्चना कर सभी देवी-देवताओं का आह्ववान किया गया।

भजन गायक रामसुन्दर बगड़िया, किशन बगड़िया, सिद्धार्थ नोपानी, अलका खेड़वाल, अनूप अग्रवाल, संजय चौधरी, रामु सिसोदिया, श्रीमती अश्विनी ने दादीजी एवं अन्य देवी देवताओं के भजनों पर भक्तों को खूब भाव-विभोर किया। समिति एवं आयोजक परिवार की तरफ से दादीजी को चूड़ा-चुनड़ी भेंट किया गया। इस अवसर पर गजरा उत्सव, चुनड़ी उत्सव, मेहँदी उत्सव, 56 भोग, भव्य श्रृंगार, महाप्रसाद की व्यवस्था आयोजन स्थल पर की गयी थी।

इस कार्यक्रम में रमा-संजय नोपानी, जया-संजय चौधरी, प्रकाश-सरोज चौधरी, अजय, सिंघानिया, पुनीत गोयल, गंगाधर-रेणु मोर, राजेंद्र-बजाज, बबिता चमड़िया, सोनी झुंझनुवाला, अशोक मोगरा सहित काफी संख्या में भक्त उपस्थित रहे। समिति के अध्यक्ष शिवकुमार टेकड़ीवाल ने संचालन किया एवं जानकारी दी कि समिति का वार्षिकोत्सव 24 दिसंबर को राजराजेश्वरीनगर स्थित तेरापंथ में मनाया जायेगा। जिसमें कोलकत्ता से दादीजी के भजनों के लिए प्रख्यात भजन-गायक अरविन्द सहल भजनों की प्रस्तुति देंगे।

Printed & Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com